- 17th Year
- Issue: 317
- 07.04.2024 (SUNDAY)
- ROURKELA
- R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
- (Pages-6)
- Price:2.00

e-paper-www.thekalingasamachar.com

दैनिक

कलिंग समाचार

The kalingasamachar

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From Rourkela

कांग्रेस के घोषणा पत्र में मुस्लिम लीग की छाप, उसमें वामपंथी पूरी तरह हावी–नरेंद्र मोदी

नयी दिल्ली ०६/०४ (संवाददाता): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र पर मुस्लिम लीग की छाप हैए जिसका एक हिस्सा वामपंथियों के प्रभुत्व वाला है। उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई लड़ने वाली कांग्रेस तो दशकों पहले ही समाप्त हो चुकी है। अब जो कांग्रेस बची हैए उसके पास न देश हित में नीतियां हैं और न ही राष्ट्रनिर्माण का विजन। अपना हमला जारी रखते हुए मोदी ने कहा कि कल कांग्रेस ने जिस तरह का घोषणा पत्र जारी किया हैए उससे साबित हो गया है कि आज की कांग्रेसए आज के भारत की आशाओं. आकांक्षाओं से पूरी तरह कट चुकी है। कांग्रेस के घोषणा पत्र में वही सोच झलकती हैए जो आजादी के आंदोलन के समय मुस्लिम लीग में थी। नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में पूरी तरह मुस्लिम लीग की छाप है और इसका जो कुछ हिस्सा बचा रह गयाए उसमें वामपंथी पूरी तरह हावी हो चुके हैं। कांग्रेस इसमें दूर.दूर तक दिखाई नहीं देती है। उन्होंने आपको याद होगाए यहां उत्तर प्रदेश में 2 लड़कों की जो फिल्म पिछली बार लॉप हो चुकी हैए उन 2 लड़कों की फिल्म को इन लोगों ने फिर से रिलीज किया है। मुझे समझ नहीं आता कि काठ की इस हांडी को ये ष्छक्प् गठबंधन वाले कितनी बार चढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि सपा की स्थिति तो ये है कि यहां उन्हें हर घन्टे अपने उ मीदवार बदलने पड़ रहे हैं। कांग्रेस की स्थिति तो और भी विचित्र हैए कांग्रेस को तो उ मीदवार ही नहीं मिल रहे। जिन सीटों को कांग्रेस अपना गढ़ मानती थीए वहां भी उसे उ मीदवार उतारने की हि मत ही नहीं हो रही है।आगामी लोकसभा चुनाव से पहलेए कांग्रेस पार्टी ने शुक्रवार को अपना घोषणापत्र जारी किया जिसमें न्याय के पांच स्तंभों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। अपने घोषणापत्र में, पार्टी ने महिलाओं के लिए नकद हस्तांतरणए रोजगार के अवसर और जाति जनगणना पर ध्यान केंद्रित किया।कांग्रेस के घोषणापत्र में श्पांच न्यायश् या न्याय के पांच स्तंभों में श्युवा न्यायश्ए श्नारी न्यायश्ए श्किसान न्यायश्ए श्श्रमिक न्यायश् और श्हिस्सेदारी न्यायश् शामिल थे। पार्टी ने अल्पसं यकों पर फोकस किया है। पार्टी किसी के विश्वास का पालन करने के मौलिक अधिकार और संविधान के अनुच्छेद 15, 16, 25, 26, 28, 29 और 30 के तहत धार्मिक अल्पसं यकों को दिए गए अधिकारों का स मान करेगी और उन्हें बनाए रखेगी। यह संविधान के अनुच्छेद 15, 16, 29 और 30 के तहत गारंटीकृत भाषाई अल्पसं यकों के अधिकारों का भी स मान करेगा और उन्हें कायम रखेगा।पार्टी अल्पसं यक छात्रों और युवाओं को शिक्षाए रोजगारए व्यवसायए सेवाओंए खेलए कला और अन्य क्षेत्रों में बढ़ते अवसरों का पूरा लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित और सहायता करेगी।पार्टी विदेश में अध्ययन के लिए मौलाना आज़ाद छात्रवृत्ति बहाल करेगी और छात्रवृत्ति की सं या बढ़ाएगी।पार्टी यह सुनिश्चित करेगी कि बैंक बिना किसी भेदभाव के अल्पसं यकों को संस्थागत ऋण प्रदान करें। यह यह भी सुनिश्चित करेगा कि अल्पसं यकों को शिक्षाए स्वास्थ्य देखभालए सार्वजनिक रोजगारए सार्वजनिक कार्य अनुबंधए कौशल विकासए खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में बिना किसी भेदभाव के अवसरों का उचित हिस्सा मिले।

खड़गे के बयान पर भड़के अमित शाह, बोले–कश्मीर से हर भारतीय का वास्ता, वह भारत का अभिन्न अंग है

नयी दिल्ली ०६/०४ (संवाददाता): अनुच्छेद 370 को लेकर अब सियासी बवाल छिड़ता हुआ नजर आ रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान का हवाला देते हुए अमित शाह ने पलटवार किया है। अमित शाह ने खड़गे के एक वीडियो साक्षा किया है। अमित शाह ने कहा कि यह सुनना शर्मनाक है कि कांग्रेस पार्टी पूछ रही हैए ष्कश्मीर से क्या वास्ता हैष्ष् उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस पार्टी को याद दिलाना चाहूंगा कि ज मू.कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और प्रत्येक राज्य और नागरिक का ज मू.कश्मीर पर अधिकार हैए जैसे ज मू.कश्मीर के लोगों का शेष भारत पर अधिकार है। कांग्रेस को यह नहीं पता कि कश्मीर में शांति और सुरक्षा के लिए राजस्थान के कई वीर सपूतों ने अपने प्राणों की आहुति दी है। लेकिन यह सिर्फ कांग्रेस नेताओं की गलती नहीं है। शाह ने कहा कि भारत के विचार को न समझ पाने के लिए अधिकतर कांग्रेस पार्टी की इटालियन संस्कृति ही दोषी है। ऐसे बयानों से हर उस देशभक्त नागरिक को ठेस पहुँचती है जो देश की एकता और अखंडता की परवाह करता है। जनता कांग्रेस को जरूर जवाब देगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि और कांग्रेस की जानकारी के लिएए यह अनुच्छेद 371 नहींए बल्कि अनुच्छेद 370 थाए जिसे मोदी सरकार ने निरस्त कर दिया था। हालाँकिए कांग्रेस से ऐसी भयानक गलतियाँ करने की अपेक्षा ही की जाती है। इसके द्वारा की गई ऐसी भूलों ने दशकों से हमारे देश को परेशान किया है। अमित मालवीय ने एकस पोस्ट में लिखा कि दुखद स्थिति हैए जब कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे सोचते हैं कि अनुच्छेद 370 को हटाना कोई राष्ट्रीय मुद्दा नहीं है।

खरगे ने अनजाने में अनुच्छेद 371 पर मोदी–शाह की योजना का खुलासा कर दिया

नयी दिल्ली ०६/०४ (संवाददाता): कांग्रेस ने मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा अनुच्छेद 370 को रद्द करने के बारे में बात करते हुए अनुच्छेद 371 का गलती सेउल्लेख करने पर भारतीय जनता पार्टी ;भाजपाद्ध की ओर से की गई आलोचना को लेकर शनिवार को पलटवार किया और दावा कि कांग्रेस अध्यक्ष ने अनजाने में अनुच्छेद 371 में बदलाव करने की मोदी.शाह की योजना का खुलासा कर दिया। अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर कटाक्ष करने को लेकर भाजपा ने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे पर निशाना साधा। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत की अवधारणा को नहीं समझने के लिए विपक्षी दल की इतालवी संस्कृति को जि मेदार ठहराया जाना चाहिए।

शाह और भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित पार्टी के अन्य नेताओं ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर खरगे के भाषण का वीडियो साझा कियाए जिसमें वह राजस्थान में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साध रहे हैं। इस दौरान कांग्रेस प्रमुख ने अनुच्छेद 370 के बजाय गलती से अनुच्छेद 371 का भी गलत उल्लेख कर दिया। भाजपा की आलोचना का जवाब देते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहाए ष्आज जयपुर में अपने भाषण में अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी ने गलती से कहा कि मोदी अनुच्छेद.371 को रद्द करने का श्रेय लेते हैं। उनका मतलब स्पष्ट रूप से अनुच्छेद 370 था। उन्होंने कहा लेकिन सच्चाई यह है कि मोदी वास्तव में नगालैंड से संबंधित अनुच्छेद 371.ए, असम से संबंधित अनुच्छेद 371.बी, मणिपुर से संबंधित अनुच्छेद 371.सी, सिक्किम से संबंधित अनुच्छेद 371.एफ मिजोरम से संबंधित अनुच्छेद 371.जी और और अरुणाचल प्रदेश से संबंधित अनुच्छेद 371.एच में बदलाव करना चाहते हैं।

वकीलों का लंबित मुकदमों, फैसलों पर टिप्पणी करना बहुत चिंताजनक–सीजेआई

नयी दिल्ली ०६/०४ (संवाददाता): भारत के प्रधान न्यायाधीश ;सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को यहां कहा कि न्यायपालिका के कंधे चौड़े हैं और वह प्रशंसा के साथ ही आलोचना भी स्वीकार कर सकती है लेकिन लंबित मुकदमों या फैसलों पर वकीलों की टिप्पणी बहुत चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि बार के पदाधिकारियों और सदस्यों को न्यायिक निर्णयों पर प्रतिक्रिया देते वक्त यह नहीं भूलना चाहिए कि वे अदालत के अधिकारी हैंए आम आदमी नहीं। सीजेआई नागपुर उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के शताब्दी वर्ष समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक संस्था के रूप में बार न्यायिक स्वतंत्रताए संवैधानिक मूल्यों और अदालत की प्रतिष्ठा की रक्षा करने के लिए आवश्यक है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि उच्चतम नयायालय की संवैधानिक पीठ के फैसले कठिन कार्यवाहीए व्यापक न्यायिक विश्लेषण और संवैधानिक सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम होते हैं। उन्होंने कहा लेकिन एक बार जब फैसला सुना दिया जाता है तो यह सार्वजनिक संपत्ति है। एक संस्था के तौर पर हमारे कंधे चौड़े हैं। हम प्रशंसा और आलोचना दोनों स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन बार एसोसिएशन के सदस्य और पदाधिकारी होने के नाते वकीलों को अदालत के निर्णयों पर प्रतिक्रिया देते समय आम आदमी की तरह टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।

कांग्रेस का घोषणापत्र पाकिस्तान चुनाव के लिए अधिक उपयुक्त–हिमंत

गुवाहाटी ०६/०४ (संवाददाता): असम के मु यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस का चुनाव घोषणापत्र भारत की तुलना में पड़ोसी पाकिस्तान में चुनाव के लिए अधिक उपयुक्त है।

इस परए कांग्रेस ने कहा कि शर्मा जैसे दलबदलू व्यक्ति सबसे पुरानी पार्टी के धर्मनिरपेक्ष और समावेशी लोकाचार को नहीं समझ पाएंगे। इसने जोर देकर कहा कि उसके घोषणापत्र का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा करना है। शर्मा ने कांग्रेस के घोषणापत्र की निंदा करते हुए दावा किया कि इसका लक्ष्य सत्ता में आने के लिए समाज को विभाजित करना है।

उन्होंने जोरहाट निर्वाचन क्षेत्र में एक चुनावी रैली से इतर संवाददाताओं से कहाए ष्यह तुष्टीकरण की राजनीति है और हम इसकी निंदा करते हैं। घोषणापत्र ऐसा लगता है जैसे यह भारत के लिए नहींए बल्कि पाकिस्तान के चुनाव के लिए है।ष्

मु यमंत्री के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस की असम इकाई के प्रवक्ता बेदब्रत बोरा ने कहा कि शर्मा जैसे दलबदलू सबसे पुरानी पार्टी के धर्मनिरपेक्ष और समावेशी लोकाचार को नहीं समझ पाएंगे।

बोरा ने कहा शर्मा कई वर्षों तक कांग्रेस में रहेए लेकिन वह पार्टी के मु य लोकाचार को नहीं समझ सके। इसलिए वह भाजपा में चले गए। पिछले कुछ समय से भाजपा में रहने के बाद भीए वह अब भी भगवा दल के प्रति अपनी वफादारी साबित करने के लिए कांग्रेस को बदनाम करने की कोशिश करते हैं।ष्ष् उन्होंने कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों के हितों की रक्षा करना है।

तानाशाही ताकतों के मंसूबों को नाकाम कर जल्द रिहा होंगे हेमंत सोरेन–कल्पना सोरेन

रांची ०६/०४ (संवाददाता): झारखंड के पूर्व मु यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने शनिवार को कहा कि जेल में बंद उनके पति ष्तानाशाही ताकतों के मंसूबों को नाकाम कर जल्द रिहा होंगे।ष्ष् कल्पना ने यहां झारखंड मुक्ति मोर्चा ;झामुमोद्ध कार्यालय में एक बैठक में भाग लेने के बाद कहाए ष्हम लड़ेंगेए हम जीतेंगे।ष्इस तरह की अटकलें हैं कि पार्टी कल्पना को गांडेय विधानसभा सीट से मैदान में उतार सकती हैए जहां 20 मई को उपचुनाव होना है। गिरिडीह जिले के अंतर्गत गांडेय सीट झामुमो विधायक सरफराज अहमद के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी।कल्पना ने बैठक के बाद ष्एक्सष् पर एक पोस्ट में कहाए ष्झामुमो का एक.एक सिपाही केंद्र की तानाशाही सरकार के खिलाफ लड़ रहा है। आजए भले ही हेमंत जी को झूठे मामले में फंसाकर जेल भेज दिया गया हैए लेकिन वह जल्द ही तानाशाही ताकतों के मंसूबों को नाकाम कर जल्द हमारे बीच होंगे।ष्बैठक के बाद कल्पना ने पत्रकारों से कहाए ष्हमने लोकतंत्र और संविधान के बारे में बात की। हम लोकतंत्रए संविधान को बचाने के लिए लड़ रहे हैं।ष्ष् कल्पना के पति हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय ;ईडीद्ध ने जनवरी में कथित भूमि घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में गिर तार किया था।

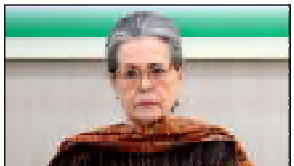

पीएम मोदी देश को बर्बाद कर रहे हैं, विपक्षी नेताओं को भाजपा में शामिल होने के लिए किया जा रहा मजबूर–सोनिया गांधी

जयपुर ०६/०४ (संवाददाता): कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन पर देश और उसके लोकतंत्र को बर्बाद करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी ;भाजपा लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी नेताओं को भगवा पार्टी में शामिल होने के लिए मजबूर कर रही है।

गांधी ने जयपुर में एक रैली को संबोधित करते हुए कहाए श्देश का लोकतंत्र खतरे में हैए संविधान को बदलने की साजिश रची जा रही हैंण्ण्पछले 10 वर्षों में सरकार ने बेरोजगारीए महंगाईए असमानताए अत्याचार को बढ़ावा देने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

राजस्थान के जयपुर में एक रैली को संबोधित करते हुए सोनिया गांधी ने कहाए ष्मोदी जी खुद को महान मान करए देश और लोकतंत्र की मर्यादा का चीरहरण कर रहे हैं श्ण्ण्वपक्षी नेताओं को बीजेपी में शामिल होने की धमकी दी जा रही है। सोनिया ने यह भी कहा कि आज देश का लोकतंत्र खतरे में है. हमारे संविधान को बदलने की साजिशें की जा रही हैंण्ण्हर तरफ अन्याय का अंधेरा है। सोनिया ने सभी भारतीयों का आह्वान करते हुए कहा कि सभी मतदाताओं को ष्न्याय की रोशनी की तलाश मेंष् भाजपा के खिलाफ लड़ना चाहिए। सोनिया ने कहा पिछले 10 साल से हमारा देश ऐसी सरकार के नेतृत्व में है जिसने बेरोजगारीए महंगाईए भेदभाव और अत्याचार को बढ़ावा दिया। मोदी सरकार ने जो किया वह हम सबके सामने है।ष

रैली में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में डाले जाने वाले वोट श्देश के लोकतंत्र को बचाएंगे। उन्होंने कहा ष्आप सोच रहे होंगे कि हमारा लोकतंत्र कैसे खतरे में है। ऐसा इसलिए है क्योंकि लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए जो बड़ी.बड़ी संस्थाएं बनाई गई थींए वे कमजोर हो रही हैंए उनका दुरुपयोग हो रहा है। आज स्थिति यह है कि लोगों को ईवीएम पर भी भरोसा नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें खुशी और गर्व है कि सोनिया ष्राज्यसभा सदस्य बनने के बादष् इस रैली के लिए राजस्थान आई हैं।

कल जारी कांग्रेस के श्न्याय पत्रश् घोषणापत्र के बारे में बात करते हुएए प्रियंका ने कहा कि घोषणापत्र सिर्फ घोषणाओं की एक सूची नहीं है जिसे वे चुनाव के बाद भूल जाएंगेए ष्बल्कि यह देश की आवाज है जो न्याय चाहता है...

उन्होंने यह भी कहा कि आज बेरोजगारी चरम पर है। बीजेपी और मोदी सरकार ने बेरोजगारी दूर करने के लिए क्या किया है...न्होंने वादे तो किए लेकिन उन्हें पूरा नहीं किया। वे अग्निवीर योजना लेकर आएए जिसने लोगों की उ मीदें तोड़ दीं..पेपर लीक हो रहे हैं। हर राज्य मेंण्ण्किसान सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन पीएम मोदी उनकी बात सुनने को तैयार नहीं हैं...।

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/

विविध समाचार

अंबेडकर-भगत सिंह के बीच केजरीवाल, बढ़ा विवाद, शहीदे ए आजम के परिवार ने जताई नाराजगी

नयी दिल्ली ०६/०४ (संवाददाता): दीवार पर भगत सिंह और बीआर अंबेडकर के साथ दिल्ली के मु यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तस्वीर पर बढ़ते विवाद के बीचए भगत सिंह के पोते यदविंदर संधू ने कहा कि उन्हें बहुत बुरा लग रहा है। किसी को भी अपनी तुलना भगत सिंह से नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आज सुबह दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल का एक वीडियो आया जिसमें दीवार पर भगत सिंह और बाबा साहेब अंबेडकर के साथ अरविंद केजरीवाल की फोटो लगाई गई थी। ये देख कर मुझे बहुत बुरा लगा। उनकी तुलना दिग्गजों से करने की कोशिश की गई। मैं आम आदमी पार्टी से कहूंगा कि वह ऐसी गतिविधियों से दूर रहे।श्

यदविंदर संधू ने कहा कि हम केवल इन महापुरूषों के नक्शेकदम पर चलने का प्रयास कर सकते हैंए उनसे तुलना नहीं कर सकते। सलाखों के पीछे दिल्ली के सीएम की तस्वीर पहली बार गुरुवार को सामने आई जब सुनीता केजरीवाल ने अरविंद केजरीवाल का संदेश पढ़ा। सुनीता के पीछे दीवार पर जेल में बंद केजरीवाल की तस्वीर लगी थी। यह फोटो भगत सिंह और अंबेडकर की फोटो के बीच में थी। इस तस्वीर पर विवाद बढ़ने पर केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने भगत सिंह के पोते की भावनाओं का बचाव किया।

उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल जी अपनी तुलना महान स्वतंत्रता सेनानी से कैसे कर सकते हैंघ् शहीद भगत सिंह ने भारत के लिए लड़ाई लड़ीए

जबकि केजरीवाल खुले तौर पर सभी भारत विरोधी ताकतों का समर्थन कर रहे हैं! यह पहली बार नहीं है कि मौजूदा मु यमंत्रीए मंत्री और लोग उच्च.आधिकारिक पदों पर आसीन हैं भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप में गिर तार किये जाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा कैसे है कि कुछ विदेशी तत्व केवल केजरीवाल के लिए आवाज उठा रहे हैंघ् भारत के खिलाफ माओवादियों और टुकड़े.टुकड़े गैंग का एजेंडा अच्छी तरह उजागर हो गया है।

भगत सिंह के भतीजे जगमोहन सिंह ने एएनआई से कहाए श्अगर वह ;अरविंद केजरीवालद्ध उनके ;बीआर अंबेडकर और भगत सिंहद्ध के साथ अपनी तस्वीर लगाते हैंए तो लोग उनसे पूछेंगे कि उन्होंने उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने के लिए क्या कियाए लेकिन मेरा मानना ??है कि उनके आदर्शों पर सबसे बड़ा हमला वर्तमान सरकार कर रही हैण् वे कई चीजों के आधार पर लोगों को बांटकर विरोध को हटाना चाहते हैं।श् उन्होंने कहा कि मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन किसके साथ फोटो लेता है। मेरी एकमात्र चिंता मौलिक अधिकारों के मूल्यों को आगे बढ़ाने की है।

आप नेता संजय सिंह ने पूछा कि भगत सिंह के साथ कोई फोटो क्यों नहीं लगा सकता। उन्होंने कहाए ष्यहां मुद्दा क्या हैघ् अरविंद केजरीवाल पार्टी संयोजक हैं। अगर उनकी तस्वीर भगत सिंह या अंबेडकर के साथ है तो क्या समस्या हैघ् हम केवल उनके नक्शेकदम पर चलने की कोशिश कर रहे हैंए हम यह नहीं कह रहे हैं कि हम बराबर हैं। लोग सेल्फी लेते हैं भगत सिंहए नेताजी और अंबेडकर की मूर्तियों के साथए यहां तक कि चुनाव अभियानों में भी राजनेता ऐसे दिग्गजों के साथ तस्वीरें पोस्ट करते हैं।ष्

भाजपा की दिल्ली इकाई के प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा ने आरोप लगाया कि केजरीवाल भ्रष्टाचार के आरोपी हैं और शहीद.ए.आजम ;भरत सिंहद्ध और डॉण् अंबेडकर जैसे देशभक्तों के बीच अपनी तस्वीर लगाकर आम आदमी पार्टी ने उनकी गरिमा का अपमान किया है। दूसरी ओरए आप की वरिष्ठ नेता आतिशी ने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र ने केजरीवाल को झूठे आरोपों के तहत जेल भेजा है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल भाजपा की तानाशाही के खिलाफ मौजूदा संघर्ष के प्रतीक हैं। हमारे कार्यालयों में उनकी तस्वीर हमें याद दिलाने के लिए है कि भाजपा के खिलाफ संघर्ष स्वतंत्रता आंदोलन से कम नहीं है।

क्या शिंदे गुट में शामिल होंगी प्रिया दत्त?

मुंबई ०६/०४ (संवाददाता): कांग्रेस नेता प्रिया दत्त ने शुक्रवार ;5 अप्रैलद्ध को पार्टी से अपने इस्तीफे की चर्चाओं को खारिज कर दिया और कहा कि उनका ऐसा करने का इरादा नहीं हैए हालांकिए उन्होंने ष्पिछली सीटष् ले ली है। यह उन खबरों के सामने आने के बाद आया है कि वह कांग्रेस छोड़ देंगी और लोकसभा चुनाव से पहले एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो जाएंगी। प्रिया दत्त दिवंगत अभिनेता और कांग्रेस नेता सुनील दत्त की बेटी और अभिनेता संजय दत्त की बहन हैं। दत्त ने कहा कि मैंने कांग्रेस से इस्तीफा नहीं दिया हैए मैंने इस्तीफा नहीं दिया हैए न ही मेरा इरादा है। लेकिन मैंने पिछली सीट ले ली है। मेरे 2024 का चुनाव लड़ने की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने बताया कि वह 2019 का लोकसभा चुनाव भी नहीं लड़ना चाहती थींए हालांकिए उन्होंने इस बारे में पार्टी को बहुत देर से बताया थाए जिसके कारण बाद में उन्होंने मैदान में बने रहने का फैसला किया। मेरे समर्थक जानते हैं कि मैं पिछले चार वर्षों से राजनीति से दूर हूं। यह जानबूझकर किया गया है क्योंकि मैं पिछला चुनाव नहीं लड़ना चाहती थी लेकिन मैंने पार्टी को बहुत देर से बताया। मुझे लगा कि यह सिर्फ पार्टी के लिए नहीं होगा एक नया उ मीदवार चुनने के लिएए इसलिए मैंने चुनाव लड़ने का फैसला कियाए उसके बाद मैंने सचेत निर्णय लिया कि मैं चुनाव नहीं लड़ूंगी। सचिन पायलट को छोड़कर युवा नेताओं के कांग्रेस छोड़ने पर उन्होंने कहा कि यह बहुत दुखद है क्योंकि मैंने उन सभी के साथ काम किया हैण् उनमें नेतृत्व के महान गुण होते हैं। वे इस देश का भविष्य हो सकते हैं। उनके लिए यह निर्णय लेना बहुत कठिन रहा होगा क्योंकि वे इतने लंबे समय से पार्टी से जुड़े हुए हैं। पहले कांग्रेस पार्टी में युवाओं का उभार हुआ करता था।

द केरल स्टोरी के टेलीकास्ट पर बढ़ा विवाद, केंद्र पर पी विजयन का निशाना, शशि थरूर का भी सवाल

नयी दिल्ली ०७/०४ (संवाददाता): द केरल स्टोरी के प्रसारण के दूरदर्शन के फैसले पर केरल की राजनीति गर्म होती दिखाई दे रही है। केरल के मु यमंत्री पिनाराई विजयन ने गुरुवार को राज्य में द केरल स्टोरी के प्रसारण के दूरदर्शन के फैसले की निंदा की और सार्वजनिक प्रसारक से फिल्म की स्क्रीनिंग वापस लेने की मांग की।

उन्होंने कहा कि दूरदर्शन को भाजपा और आरएसएस की श्प्रचार मशीनश् नहीं बनने दिया जाना चाहिए। दूरदर्शन ने घोषणा की है कि यह फिल्म 5 अप्रैल को प्रसारित की जाएगी। एक्स पर एक पोस्ट मेंए विजयन ने फिल्म सार्वजनिक प्रसारक से फिल्म की स्क्रीनिंग वापस लेने का आरोप लगाते हुए कहा कि इससे लोकसभा चुनाव से पहले राज्य में सांप्रदायिक तनाव फैल सकता है।

विजयन ने पोस्ट में लिखा कि ध्रुवीकरण भड़काने वाली फिल्म द केरल स्टोरी को डीडी नेशनल द्वारा प्रसारित करने का निर्णय बेहद निंदनीय है। राष्ट्रीय समाचार प्रसारक को भाजपा.आरएसएस गठबंधन की प्रचार मशीन नहीं बनना चाहिए और ऐसी फिल्म की स्क्रीनिंग से पीछे नहीं हटना चाहिए जो केवल आम चुनावों से पहले सांप्रदायिक तनाव को बढ़ाने का प्रयास करती है।

नफरत फैलाने की ऐसी कुत्सित कोशिशों के विरोध में केरल दृढ़ रहेगा। सीपीआई ;एमद्ध सांसद एए रहीम ने कहा कि मैं दूरदर्शन द्वारा नफरत भरी फिल्म श्केरल स्टोरीश् की स्क्रीनिंग की कड़ी निंदा करता हूं।श् दूरदर्शन को नफरत की फैक्ट्री मत बनाइये। दूरदर्शन को समाज को बांटने के लिए नफरत भरे प्रचार का केंद्र नहीं बनना चाहिए।श

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि सच कहूं तो यह वाकई शर्मनाक है। जब केरल की कहानी सामने आई तो सभी ने कहा कि यह असली केरल की कहानी नहीं है। केरल सामाजिक सद्भाव और सह.अस्तित्व का राज्य हैए न कि ऐसा राज्य जो किसी प्रकार का पाकिस्तान है जैसा कि यह फिल्म दिखाना चाहती है। और फिर भीए एक आधिकारिक प्रसारक द्वारा आधिकारिक तौर पर प्रसारित की जा रही इस फिल्म का झूठ वास्तव में घृणित हैए यह सबसे सस्ता और सबसे खराब प्रचार है।

एक अलग बयान मेंए सत्तारूढ़ सीपीआई ;एमद्ध ने भी दूरदर्शन से फिल्म को प्रसारित करने के अपने फैसले को वापस लेने के लिए कहा। पार्टी ने उससे कहा कि वह केरल में माहौल को श्ध्रुवीकरण करने की भाजपा की कोशिशश् के साथ खड़ा न हो। पिछले सालए केरल उच्च न्यायालय ने यह कहते हुए फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था कि फिल्म के ट्रेलर में किसी विशेष समुदाय के लिए कुछ भी आपत्तिजनक नहीं है। अदालत ने फैसला सुनाया था कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ;सीबीएफसीद्ध ने फिल्म की जांच की और पाया कि यह सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए उपयुक्त थी।

मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 18 अप्रैल तक बढ़ाई गई

नयी दिल्ली ०६/०४ (संवाददाता): दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाला मामले से जुड़े धनशोधन के एक मामले में आम आदमी पार्टी ;आपद्ध नेता मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत शनिवार को 18 अप्रैल तक बढ़ा दी। सिसोदिया को न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर अदालत में पेश किया गया और विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने उनकी न्यायिक हिरासत की अवधि बढ़ा दी। सिसोदिया के सहयोगी और मामले में सह आरोपी संजय सिंह को हाल में उच्चतम न्यायालय से जमानत मिली हैए वह भी सुनवायी के लिए अदालत के समक्ष पेश हुए।

महागठबंधन में शामिल हुए मुकेश सहनी, राजद ने दी 3 सीटें

पटना ०६/०४ (संवाददाता): राजद ने मुकेश सहनी की वीआईपी से हाथ मिलाया, चुनाव से पहले बिहार में तीन सीटें आवंटित की गई है। बिहार के पूर्व उपमु यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि हम मुकेश सहनी का महागठबंधन में स्वागत करते हैं। तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि जो लोग 400 पार का नारा लगा रहे हैं उन्हें बिहार की धरती सबक सिखाएगी। मैंने पहले भी कहा है कि बिहार चौंकाने वाला परिणाम देगा। राजद ने अपनी 26 में से तीन सीटें गोपालगंजए झंझारपुर और मोतिहारी ;पूर्वी चंपारणद्ध में मुकेश सहनी की पार्टी को दे दी।

तेजस्वी यादव ने कहा कि गया में बीजेपी की आंतरिक बैठक में एक नेता ने मंत्री प्रेम कुमार के सामने कहा कि हमें मजबूत बहुमत चाहिए और हम संविधान बदल देंगे। भारतीय संविधान को बदलने की ताकत किसी में नहीं है। दक्षिण भारत और राजस्थान के नेताओं ने भी यही बात कही। आज मुझे बहुत खुशी है कि मुकेश सहनी श्महागठबंधनश् में शामिल हुए हैं और हम उनका स्वागत करते हैं।

मुकेश सहनी ने कहा कि हम लालू प्रसाद यादव की विचारधारा में विश्वास करने वाले लोग हैं। बीजेपी ने हमारे नेताओं को तोड़ने की कोशिश की और हमारी पार्टी को खत्म करने की कोशिश की। वीआईपी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में राजद के नेतृत्व वाले गठबंधन के हिस्से के रूप में तीन सीटों पर चुनाव लड़ा और असफल रही। चुनाव लड़ने वाले तीन उ मीदवारों में से एक मुकेश सहनी खगड़िया से चुनाव हार गए। पार्टी के दो अन्य नेता मधुबनी और मुज फरपुर से हार गए।

ऐसी अफवाहें फैल रही हैं कि साहनी ने शुरू में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ;एनडीएद्ध से संपर्क किया थाए लेकिन बातचीत सफल नहीं हो पाईए जिसके कारण 43 वर्षीय पूर्व मंत्री ने विपक्षी जीए के साथ रास्ते खोल लिए। वीआईपी ने चार सीटें जीतीं और सहनी को एमएलसी बनाया गया और नीतीश कुमार की मंत्रिपरिषद में शामिल किया गया। उन्हें मार्च 2022 में कैबिनेट से बर्खास्त कर दिया गया था और तब से वह राज्य के सत्तारूढ़ या विपक्षी गठबंधन का हिस्सा नहीं हैं। यदि वीआईपी अंतत: बिहार में जीए में शामिल हो जाती हैए तो यह राज्य में राजदए कांग्रेसए सीपीआई.एमएल ;लिबरेशनद्धए सीपीआई और सीपीएम वाले विपक्षी गुट में छठा भागीदार होगा।

आज दुनिया में बनी भारत की नई पहच, नड्डा बोले-कांग्रेस ने तीनों लोक में किया है भ्रष्टाचार

अल्मोडा ०४/०४ (संवाददाता):भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उत्तराखंड के लोगों से राज्य की सभी पांच लोकसभा सीटें फिर से भाजपा को देने के लिए कहा ताकि नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधान मंत्री के रूप में लौटने में मदद मिल सके और भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाया जा सके। नड्डा ने उत्तराखंड में अल्मोडा लोकसभा सीट से भाजपा उ मीदवार अजय ट टा के समर्थन में अपनी पहली चुनावी सभा में कहाए श्यह आपकी राष्ट्रीय जि मेदारी है।श् उन्होंने कहा कि आज जब हम चुनाव की बेला में जा रहे हैंए तो हमें ये याद रखना चाहिए कि वीरों को न्याय दिलाने और 40 साल से कांग्रेस द्वारा दिये जा रहे धोखे से न्याय दिलाने यानी व्व्च् का काम प्रधानमंत्री मोदी जी के द्वारा किया गया।

नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने कहा कि इस

शताब्दी का तीसरा दशकए उत्तराखंड के विकास का दशक होगा। मुझे खुशी है कि आज प्रधानमंत्री द्वारा कही गई ये बातें धरती पर दिख रही हैं और विकास की नई गंगा बह रही है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में एक तरफ वो लोग हैंए जिन्होंने उत्तराखंड के दर्द को समझा हैए जिन्होंने उत्तराखंड को आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ीए जिन्होंने उत्तराखंड के युवाओं की आकांक्षाओं को पंख लगाने का काम कियाए जिन्होंने महिलाओं को ताकत देकर उनका सशक्तिकरण किया हैए जिन्होंने उत्तराखंड को मु यधारा में लाने में कोई कमी नहीं छोड़ी। दूसरी तरफवो लोग हैंए जिन्होंने दशकों तक आपको धोखा दिया हैए जिन्होंने घोटाले किएए जिन्होंने आपके विकास में रोड़ा अटकाकर आपको विनाश की तरफधकेला है।

जेपी नड्डा ने कहा कि आप लगातार तीसरी बार उत्तराखंड से 5 के 5 सांसद भाजपा के जीताकर भेजेंगे और मोदी जी के नेतृत्व में भारत 2028 तक विश्व की तीसरी बड़ी आर्थिक ताकत बन जाएगा। मुझे खुशी है कि उत्तराखंड न्ब्ब् यानी यूनिफॉर्म सिविल कोड में भी सबसे आगे खड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत 11ण्30 करोड़ घरों तक नल से जल पहुंचा दिया है। जिनमें से उत्तराखंड में 12 लाख घरों तक और अकेले पिथौरागढ़ में ही 2ण्40 लाख घरों तक हर घर नलए हर घर जल पहुंचाया गया है।

एक अन्य सभा में उन्होंने कहा कि पहले राजनीति होती थी. भाई को भाई से लड़ाओए जातिवाद के आधार पर वोट मांगोए वोट बैंक की राजनीति करोए अलगाववाद को बढ़ावा देते हुए तुष्टिकरण की राजनीति करो और सत्ता हथियाओ। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस ने तीनों लोक में भ्रष्टाचार किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 70 साल तक यही राजनीति कीए लेकिन अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने राजनीति की परिभाषा बदल डाली है।

2009 के लोस चुनाव में योगी के खिलाफ अनिच्छा से चुनाव लड़ा था-मनोज तिवारी

नयी दिल्ली ०४/०४ (संवाददाता): दिल्ली से भारतीय जनता पार्टी ;भाजपाद्ध के दो बार के सांसद मनोज तिवारी ने कहा है कि साल 2009 में योगी आदित्यनाथ के खिलाफ समाजवादी पार्टी के टिकट पर लोकसभा का चुनाव उन्होंने ष्अनिच्छाष् से लड़ा थाए जिन्हें वह हमेशा सेए अपने सिद्धांतों के प्रति अडिग रहने वाला नेता मानते हैं। उत्तर पूर्वी दिल्ली सीट से तीसरी बार संसदीय चुनाव लड़ रहे तिवारी ने कहा कि उन्होंने योगी के खिलाफकभी भी एक शब्द नहीं कहा। तिवारी ने 2009 में योगी के खिलाफचुनाव लड़ने के अपने फैसले को याद करते हुए कहा कि वह तब राजनीति में नहीं थे और यह एक अलग स्थिति थी। उन्होंने कहा कि इसके पीछे बॉलीवुड सुपरस्टार अमिताभ बच्चन एक ष्कारकष्

थे। उन्होंने कहा मैं अमिताभ बच्चन के साथ एक फिल्म कर रहा था और अमर सिंह से मिला। मैंने भले ही चुनाव लड़ा हो लेकिन अनिच्छा से।ष्ष् मशहूर भोजपुरी गायक व अभिनेता तिवारी ने कहा कि यह फैसला एक बैठक में किया गया जिसमें बच्चनए अमर सिंह और अनिल अंबानी भी मौजूद थे। उन्होंने कहाए ष्मैं सिर्फ एक कलाकार था और वे तीनों मेरे लिए बड़े लोग थे। वे मुझे चुनाव लड़ने के लिए कह रहे थे। इसलिए मैं मना नहीं कर सका।ष्ष् दिल्ली भाजपा के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान भी योगी के खिलाफकभी एक शब्द नहीं कहा। उन्होंने कहाए ष्मैं तब भी मानता था कि वह अपने सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्ध व्यक्ति थे और एक धार्मिक व्यक्ति के रूप में न्याय कर रहे थे। तिवारी ने कहा कि जब वह उन दिनों योगी से मिले तो उन्होंने प्रणाम कहकर उनका अभिवादन किया था क्योंकि ष्यह मेरा धर्म थाष्। उत्तर प्रदेश के वर्तमान मु यमंत्री योगी ने 2009 के चुनाव में गोरखपुर लोकसभा सीट से दो लाख से अधिक मतों के साथ जीत हासिल की थी और तिवारी बहुजन समाज पार्टी ;बसपाद्ध के उ मीदवार के बादए चुनाव में तीसरे स्थान पर रहे थे।

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND &CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/
kalinga pg-2 for 7 APR.pmd 4/7/2024 1:10 PM

विविध समाचार

जायद में मूंगफली की खेती

मूंगफली महत्वपूर्ण तिलहनी फसल है। खरीफ के साथ-साथ जायद में भी इसकी खेती कर खाद्य तेलों की कमी से निपटा जा सकता है। खरीफ की अपेक्षा इस समय खरपतवारों की सघनता कम होती है, कीट-बीमारियों का प्रकोप कम होता है व खरीफ में वर्षा के असामान्य वितरण से फसल प्रभावित होती है। मध्यप्रदेश की लाल व मिश्रित मृदा में मूंगफली की जायद में खेती करने की काफी संभावनायें हैं-

प्रजातियाँ

किस्म	पकने की अवधि	उपज (क्विं./हे.)	अन्य विशेषतायें
टी.जी.34	100-110	24-30	[illegible]
जी.जी.2	100-110	25-30	गुच्छा किस्म
[illegible]-11	107-110	15-18	कॉलर रॉट प्रतिरोधी
ए.के.12-24	105-110	15-20	-
गंगापुरी	90-100	15-20	कम वर्षा वाले क्षेत्रों हेतु
ज्योति	105-100	15-20	जड़ सड़न व कॉलर रॉट सहनशील
[illegible]	110	18-20	

जलवायु- मूंगफली की बुवाई का समय मृदा व वातावरण के तापमान पर निर्भर करता है बुवाई के समय मृदा के ऊपरी 10 से.मी. का तापमान लगभग 18-20 से.मी. होने पर जायद में मूंगफली की बोनी की जा सकती है। जायद मौसम में मूंगफली को बोने का उपयुक्त समय फरवरी के [illegible] से अंतिम सप्ताह के बीच कर देना चाहिए.

खेत की तैयारी व भूमि उपचार

उचित जल निकास वाली बलुई व हल्की भूमि जिसका पी.एच.मान 6.3 से 7.5 के बीच हो। खेत में पलेवा लगाकर ओट आने पर 2-3 जुताई [illegible] करनी चाहिए। बुवाई से पूर्व 100 कि.ग्रा. गोबर खाद में दो कि.ग्रा. [illegible] मिलाकर प्रति हेक्टेयर के मान से खेत में मिलायें। सफेद लट व दीमक से बचाव हेतु फोरेट 10 प्रतिशत या [illegible] 4 प्रतिशत चूर्ण 20 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर के मान से बुवाई पूर्व खेत में मिलायें।

बीज दर, बुवाई का तरीका

बीज के आकार के अनुसार 100-120 (गुली) कि.ग्रा. बीज/हेक्टेयर उपयुक्त होता है। बुवाई से पूर्व बीज को [illegible] 3 ग्रा. [illegible] प्रति कि.ग्रा. के मान से उपचारित करें. बुवाई 5-6 से.मी. की गहराई पर, लाइन से लाइन की दूरी 25-30 से.मी. तथा पौधे से पौधे 8-10 से.मी. रखें.

पोषक तत्व प्रबंधन

सामान्यतः 40 कि.ग्रा. यूरिया, 250 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट तथा 40 कि.ग्रा. पोटाश व 20 कि.ग्रा. सल्फर का उपयोग किये जाने की [illegible]

सिंचाई- [illegible]

खरपतवार नियंत्रण- [illegible]

कीट नियंत्रण- [illegible]

खुदाई व उपज- [illegible]

मिर्च के कीड़ों की रोकथाम

[illegible]

अरहर में एकीकृत कीटनाशी प्रबंधन

[illegible]

रसायनिक उर्वरकों के लाभकारी सुझाव

उर्वरकों के भरपूर लाभ कैसे लें इसके लिये निम्नलिखित बातें ध्यान रखें

[illegible]

रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश

[illegible]

फसल चक्र अपनायें

[illegible]

उपयुक्त सस्य क्रियाएं अपनायें

[illegible]

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/

कलिंग समाचार

संपादकीय

रविवार 07 अप्रैल 2024

कांग्रेस का बोझ हल्का हुआ

मुक्केबाज विजेंद्र सिंह, अर्थशास्त्र के प्रोफेसर गौरव वल्लभ और पूर्व पत्रकार एवं राजनेता संजय निरूपम, ये तीन नाम बुधवार से लेकर गुरुवार तक चर्चा में छाए रहे। इस चर्चा के पीछे कारण एक ही है कि तीनों ने कांग्रेस छोड़ दी है। चुनाव के वक्त दल.बदल अब आम बात हो गई है। इसलिए इन तीन लोगों का एक पार्टी को छोड़ना बड़ी बात नहीं है। बड़ी बात यह है कि इन लोगों ने कांग्रेस को छोड़ते वक्त जो तर्क दिएए वो बेहद कमजोर हैं। विजेंद्र सिंह भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी के साथ मुंछों पर ताव देकर कदमताल करते दिखे थे। वे लगातार राहुल गांधी को समर्थन वाले ट्वीट किया करते थे और नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की तीखी आलोचना किया करते थे। 2019 में विजेंद्र सिंह ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की थी और उन्हें दक्षिण दिल्ली से उ मीदवार बनाया गया थाए जहां वे चुनाव हार गए थे। फिर भी कांग्रेस में उन्हें स मान के साथ जगह मिली रही। मंगलवार तक भाजपा की खिल्ली उड़ाने वाले ट्वीट विजेंद्र कर रहे थे और कुछ घंटों बाद बुधवार को उन्होंने भाजपा का भगवा गमछा अपने गले में डलवा लिया। इसके बाद एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि मैं सो गया और जब सुबह उठा तो मेरे को लगा कि ग़लत प्लेटफॉर्म पर हूं। भारतीय जनता पार्टी में आइए और यहां से सही दिशा में जाएंगे। उनके इस बयान का अब खूब मजाक भी उड़ रहा है कि सोकर उठने के बाद उन्हें एहसास हुआ कि वे गलत पार्टी में हैं। लेकिन यहां मजाक से परे एक गंभीर सवाल यह है कि चार साल तक जिन्हें भाजपा सरकार की गलतियां नजर आती रहींए एक रात में ऐसा क्या हुआ कि विजेंद्र सिंह ने पाला बदल लिया। विजेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी रहे हैं और जब महिला पहलवानों ने भाजपा सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह के खिलाफआवाज उठाई तो उनके लिए इंसाफकी मांग विजेंद्र सिंह ने भी की। लेकिन अब भाजपा में जाने के बाद विजेंद्र सिंह का मानना है कि भारत के खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान.स मान मोदी सरकार में आने के बाद मिला है। विजेंद्र सिंह सोकर उठते ही भाजपा में नहीं गएए बल्कि उनके विचार भी रातों.रात बदल गए। वैचारिक बदलाव का ऐसा ही उदाहरण गुरुवार को भी सामने आयाए जब अर्थशास्त्र के प्रोफेसर गौरव वल्लभ ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए पार्टी की सदस्यता छोड़ी और कुछ घंटों में भाजपा के मु यालय जाकर भगवा गमछा गले में धारण कर लिया। विजेंद्र सिंह की तरह ही संसद में जाने की नाकाम कोशिश गौरव वल्लभ कर चुके हैं। एक नहीं दो बार दो राज्यों से कांग्रेस ने उन्हें मौके दिएए लेकिन वे सफल नहीं हुए। गौरव वल्लभ की कांग्रेस में रहते हुए एक बड़ी उपलब्धि यही रही कि एक ट्रिलियन में कितने शून्य होते हैंए इस सवाल पर उन्होंने भाजपा को बुरी तरह घेरा था। इस सवाल के कारण गौरव वल्लभ खूब सुर्खियों में आए और इसके बाद चैनलों की कई बहसों में उन्होंने कांग्रेस प्रवक्ता के तौर पर मजबूती से पक्ष रखा। कुछ वक्त पहले कांग्रेस छोड़ने वालों की पोल खोलते हुए उन्होंने कहा था कि जिन्हें लुटियन्स दिल्ली में बंगला और राज्यसभा की सदस्यता चाहिए वे कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जाते हैं। उन्होंने तब भी राहुल गांधी के लिए कहा था कि श्री मोदी को राहुल गांधी ही चुनौती दे सकते हैंए उनसे सीधे सवाल कर सकते हैं। अब गौरव वल्लभ का कहना है कि उन्हें सनातन के विरोध में नारे लगाने वालों से आपत्ति है और साथ ही जिस तरह वेल्थ क्रिएटर्स यानी देश को समृद्ध करने वालों पर सवाल उठाए जा रहे हैंए वो भी उन्हें सही नहीं लगता। गौरव वल्लभ के दिए इन कारणों को सुनकर साफ समझ आता है कि उन्हें जातिवार जनगणना और आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस की सोच से तकलीफहो रही है। सवर्णों के दबदबे वाली मानसिकता अक्सर ऐसी तकलीफकी शिकायत करती हैए क्योंकि उसके मुताबिक देश की पूंजी और अवसरों पर अधिकार जताने की आजादी निचले तबकों को नहीं है। कांग्रेस में पूर्व सांसद संजय निरूपम को भी तकलीफ हो रही थी और वे लगातार पार्टी के विरोध में बयान दे रहे थे। उन्हें कांग्रेस अध्यक्ष ने छह वर्षों के लिए निष्कासित कर दिया है।

आम चुनाव 2024 भारत में फासीवाद के आगमन के खिलाफ एक ऐतिहासिक लड़ाई

नित्य चक्रवर्ती

इंडिया गुट और वे सभी जो भारतीय संविधान और देश में जीवंत लोकतंत्र के कामकाज की परवाह करते हैंए उन्हें लोकसभा चुनावों में भाजपा और उसके सहयोगियों को हराने के लिए इस समय व्यापक एकता का निर्माण करना चाहिए। इसमें देर करने की कोई गुंजाइश नहीं है। संयुक्त विपक्ष की ओर से कोई भी गलत कदम या गलत निर्णय भारत में जीवंत लोकतांत्रिक कार्यप्रणाली के भाग्य पर मुहर लगा देगा। 4 जून के नतीजों से यह सुनिश्चित होना चाहिए कि लोकतंत्र कायम रहे और अधिनायकवाद को बड़ा झटका लगे।

इस साल 19 अप्रैल से 1 जून तक सात चरणों में होने वाले 18वें लोकसभा चुनाव ने 1951.52 में पहले लोकसभा चुनाव के आयोजन के बाद से भारत में संसदीय लोकतंत्र के पिछले 73 वर्षों के कामकाज में ऐतिहासिक महत्व प्राप्त कर लिया है। पिछले दस वर्षों में नरेंद्र मोदी सरकार ने भारतीय संविधान के मूल आधार को नष्ट कर दिया है और विपक्ष.मुक्त लोकसभा चुनावों की सुविधा के लिए अपने अधिनायकवाद को बढ़ाया है। इस श्रृंखला में नवीनतम है लोकसभा चुनाव से ठीक दो महीने पहले दिल्ली के मु यमंत्री अरविंद केजरीवाल की प्रवर्तन निदेशालय द्वारा एक पुराने आरोप में गिर तारी और मु य विपक्षी दल कांग्रेस के बैंक खातों के संचालन पर रोग लगाना।आयकर विभाग ने ऐसे समय में कांग्रेस के बैंक खातों के संचालन पर रोक लगाई है जब वह सत्तारूढ़ पार्टी भाजपाए जिसके पास भारी मात्रा में धन हैए के खिलाफचुनाव लड़ने के लिए वित्त की व्यवस्था करने के लिए कठिन संघर्ष कर रही है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सार्वजनिक तौर पर कांग्रेस मुक्त भारत की बात कही थी। अब वह खुले तौर पर विपक्ष मुक्त चुनाव के बारे में बात नहीं कर रहे हैंए लेकिन पिछले पांच वर्षों में उनकी सरकार के कार्यों के कारण केंद्र में सत्तारूढ़ दल भाजपा और उसके विरोधी दलों के बीच समान अवसर खत्म हो गये हैं। फासीवादी राज्य के उभरने के ये चेतावनी संकेत हैं और अगर 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा तीसरी बार केंद्र में सत्ता हासिल करती है तो यह प्रक्रिया तेज हो जायेगी। इस तरहए आने वाले चुनावों ने विपक्षी इंडिया गुट और समाज की अन्य सभी ताकतोंए जो भारत में सत्तावाद और लोकतंत्र के क्षरण के खिलाफ हैंए के लिए एक बड़ी चुनौती पेश की है।

2019 के लोकसभा चुनाव के बाद पहली बार तृणमूल कांग्रेस की सदस्य बनीं महुआ मोइत्रा ने अपने संबोधन में फासीवाद के सात चेतावनी संकेतों का जिक्र किया थाए जो उन्होंने अमेरिका के होलोकॉस्ट यूजियम में पढ़े थे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूसरी बार बनी सरकार के शासन के तहत भारत में उन चेतावनी संकेतों के शुरुआती संकेतों का उल्लेख किया था। आजए 2024 के लोकसभा चुनावों की पूर्व संध्या परए महुआ मोइत्रा के उस संबोधन के पांच साल बादए संकेत कहीं अधिक स्पष्ट हैं। यह अधिनायकवाद का अंतिम चरण हो सकता है और जब तक इसे प्रभावी ढंग से नहीं रोका जाताए यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरी बार के शासन के दौरान फासीवाद के पहले चरण का कारण बन सकता है। होलोकॉस्ट संग्रहालय के पोस्टर में उल्लिखित पहला चेतावनी संकेत अति राष्ट्रवाद था जो देश को विभाजित करता है। महुआ ने 2019 में उल्लेख किया था कि कैसे हाल ही में पारित सीएए आबादी के एक वर्ग के बीच आतंक पैदा कर रहा है। पांच साल बादए सीएए प्रावधानों को कार्यान्वयन के लिए अधिसूचित किया गया है और दस्तावेजों की कमी के कारण अल्पसं यकों के एक अच्छे वर्ग की नागरिकता खोने की एक बड़ी संभावना है। बंगाल में एक युवक ने आवश्यक कागजात नहीं मिलने के कारण आत्महत्या कर ली। असम के मु यमंत्री हिमंतविश्व शर्मा ने नये मानदंडों की घोषणा की है जिसके तहत अल्पसं यक लोग उनके राज्य में रह सकते हैं। यह पूरा कदम देश को बांटने का हैए जोड़ने का नहीं। दूसरा लक्षण मानवाधिकारों का तिरस्कार है। प्रधानमंत्री के रूप में अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में यह बहुत मुखर नहीं थाए लेकिन नरेंद्र मोदी के दूसरे कार्यकाल मेंए मानवाधिकारों के लिए लड़ने वाले गैर सरकारी संगठनों को हर संभव तरीके से परेशान किया गया हैए मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को गिर तार किया गया हैए और सत्ताधारी दल की नीतियों के खिलाफकिसी भी असंतोष को राष्ट्रविरोधी माना जा रहा है। केंद्र में शासन एक आयामी है जिसमें किसी भी भिन्न विचार की कोई गुंजाइश नहीं है। विरोधी विचारों का तिरस्कार किया जा रहा है। यह एक रायए एक पार्टीए एक सरकार की तरह है। उत्तर प्रदेश एक विशिष्ट मामला है जहां संघ परिवार के सीमांत तत्वों द्वारा अल्पसं यकों पर कोई भी अत्याचार जारी रखा जा सकता है और बहुत कम सरकारी कार्रवाई होती है। राज्य सरकार द्वारा ही मुसलमानों के साथ दोयम दर्जे के नागरिक जैसा व्यवहार किया जाता है।

फासीवाद का तीसरा प्रारंभिक संकेत सत्तारूढ़ दल का अपने मित्रवत व्यावसायिक घरानों के माध्यम से जनसंचार माध्यमों पर पूर्ण नियंत्रण है। महुआ ने अपने 2019 के भाषण में रुझानों का उल्लेख किया थाए लेकिन अबए राष्ट्रीय मीडियाए प्रिंट और टीवी दोनों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुकूल समूहों का पूरी तरह से वर्चस्व है। ऐसा कोई रास्ता नहीं हैए जिससे समाचार रिपोर्टिंग स्वतंत्र रह सके। वर्तमान डिजिटल सूचना युग मेंए वर्तमान सरकार का विरोध करने वाले किसी भी समाचार पोर्टल को दंडित करने के लिए कानूनों में संशोधन किया गया है। लोकसभा चुनाव की पूर्व संध्या पर राष्ट्रीय मीडिया में शायद ही विपक्ष के लिए कोई जगह है।

चौथा संकेत यह है कि राष्ट्रीय सुरक्षा का जुनून है. दुश्मनों की पहचान। एनआईए अब एक सुपर विशाल एजेंसी है। संगठन किसी भी असंतुष्ट पर छापा मार सकता है और उस पर राष्ट्रविरोधी गतिविधियों का आरोप लगा सकता है। प्रधानमंत्री के नाम पर सेना की उपलब्धियां हड़पी जा रही हैं।

कई सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी सत्तारूढ़ दल के अनुकूल सेना की गतिविधियों को शामिल करने की केंद्र की कोशिश से चिंतित हैं। वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों में सेवानिवृत्ति से पहले सत्तारूढ़ दल के साथ मेलजोल बढ़ाने की प्रवृत्ति होती है। हाल ही में एक सेवानिवृत्त वायु सेना प्रमुख भाजपा में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि मोदी शासन के पिछले दस साल पेशेवर तौर पर उनके लिए सबसे अच्छे रहे। इस तरह से सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों को सत्तारूढ़ दल के साथ शामिल करना एक खतरनाक प्रवृत्ति है।

पांचवां संकेत यह है कि इस देश में अब सरकार और धर्म एक.दूसरे से जुड़ गये हैंए जिसका महुआ ने अपने 2019 के भाषण में शुरुआती रुझान का ही जिक्र किया था। लेकिन अब कोई पर्दा नहीं है। धर्म को सत्ताधारी सरकार से जोड़ने की बात पूरी हो गई है। इस साल 22 जनवरी कोए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीए जो सभी धर्मों का प्रतिनिधित्व करने वाले देश के 140 करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैंए ने राम मंदिर का उद्घाटन किया जो 100प्रतिशत धार्मिक मामला था। तब से यह सिलसिला जारी है। भाजपा के वरिष्ठ नेता खुले तौर पर कह रहे हैं कि एक बार जब वे अच्छे बहुमत से लोकसभा चुनाव जीत जायेंगेए तो भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए संविधान में संशोधन किया जायेगा जो संघ परिवार का अंतिम लक्ष्य है।

छठा संकेत बुद्धिजीवियों और कलाओं के प्रति पूर्ण तिरस्कार है। सभी असहमतियों का दमन किया जा रहा हैए उदार शिक्षा के लिए फंडिंग में कटौती की जा रही हैए संविधान के अनुच्छेद 51 में निहित वैज्ञानिक मानसिकता को हतोत्साहित किया जा रहा है। स्कूल और कॉलेज की किताबों को आरएसएस प्रेरित इतिहास की तर्ज पर संशोधित किया जा रहा है। वैज्ञानिक संस्थानों में सत्य और साक्ष्य पर आधारित विज्ञान के मुकाबले आस्था आधारित इतिहास को बढ़ावा दिया जा रहा है। छात्रों में वैज्ञानिक मानसिकता को प्रोत्साहित करने के क्षेत्र में देश पीछे जा रहा है।

सातवां और आखिरी संकेत चुनाव प्रणाली का क्षरण है . भारत के मामले में चुनाव आयोग की भूमिका का। लेकिन यह लेखक भारत में एक अतिरिक्त संकेत का उल्लेख करेगा. और वह है निचली अदालतों में भारतीय न्यायपालिका की बदतर स्थिति का। निचले स्तर पर अदालतों में न्यायाधीश संवैधानिक मानदंडों के अनुसार काम नहीं कर रहे हैं। वे कई मामलों में सत्ता पक्ष से प्रभावित हो जाते हैं। सर्वोच्च न्यायालय पिछलाहट भारतीय संविधान के संरक्षक के रूप में काम कर रहा हैए लेकिन इसका असर निचली अदालतों के कई जजों के कामकाज पर नहीं दिख रहा है। यह देश में न्याय की निष्पक्ष प्रक्रिया के खिलाफ है।

इंडिया गुट और वे सभी जो भारतीय संविधान और देश में जीवंत लोकतंत्र के कामकाज की परवाह करते हैंए उन्हें लोकसभा चुनावों में भाजपा और उसके सहयोगियों को हराने के लिए इस समय व्यापक एकता का निर्माण करना चाहिए। इसमें देर करने की कोई गुंजाइश नहीं है। संयुक्त विपक्ष की ओर से कोई भी गलत कदम या गलत निर्णय भारत में जीवंत लोकतांत्रिक कार्यप्रणाली के भाग्य पर मुहर लगा देगा। 4 जून के नतीजों से यह सुनिश्चित होना चाहिए कि लोकतंत्र कायम रहे और अधिनायकवाद को बड़ा झटका लगे।

वैचारिक मजबूती के साथ खड़ा हुआ है जेएनयू

प्रो. रविकांत

देशभक्ति और तिरंगे को लेकर विपक्ष और असहमतियों की आवाजों को दबाने वाले अब खुलेआम हिंदुत्व और भगवा के असली चोले में आ गए हैं। संविधान की भावना के उलट एक राष्ट्र एक धर्मए एक विधान की मुनादी करने वाले नौजवानों को धर्म की अफ़ीम चटाकर नफ़रत की फैक्ट्री में तब्दील करना चाहते हैं। इसलिए शिक्षा का बजट कम किया जा रहा है और हिंदुत्व के मूल्यों और प्रतीकों पर अधिक व्यय क्या किया जा रहा है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव के इस बार के नतीजे कई मायने में बेहद खास हैं। प्रति दो साल पर होने वाले चुनाव इस बार 4 साल बाद हुए। एक बार फिर से वामपंथी छात्र संगठनों का दबदबा कायम रहा। केंद्रीय पैनल के 4 में से 3 पदों पर वामपंथी संयुक्त मोर्चा चुनाव जीता। यह भी गौरतलब है कि जेएनयू को तीन दशक बाद पहला दलित प्रेसिडेंट मिला। बिहार के गया से आने वाले धनंजय बत्तीलाल बैरवा के बाद दूसरे दलित प्रेसिडेंट हैं। इससे भी ज्यादा खास बात ये है कि पिछले 10 साल से जेएनयू में बहुजनों वंचितों की मुखर आवाज बनी बापसा को केंद्रीय पैनल में पहली बार जीत मिली।

बापसा की प्रियांशी आर्य को महासचिव जैसे महत्वपूर्ण पद पर कामयाबी मिली है। हालांकि उनकी जीत के पीछे एक बड़ा कारण है कि ले ट की जीएस प्रत्याशी स्वाति सिंह का नामांकन मतदान से ठीक 6 घंटे पहले भोर में 4 बजे प्रशासन द्वारा रद्द कर दिया गया। स्वाति सिंह ने नामांकन रद्द होने के खिलाफ अनशन भी किया। लेकिन कामयाबी नहीं मिलते देख ले ट ने एक एबीवीपी को हराने के लिए बापसा की प्रत्याशी प्रियांशी आर्य को समर्थन दे दिया। नतीजा यह रहा कि केंद्रीय पैनल में भगवा पूरी तरह से साफ हो गया। हालांकि एबीवीपी ने पहली बार चारों पदों पर स मानजनक मत प्राप्त किए।

लेकिन जेएनयू प्रशासनए दिल्ली प्रशासन और भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व की बारीक निगाह और समर्थन.सहयोग के बावजूद एबीवीपी चुनाव हार गई।

इस साल के फ़रवरी माह में श्अ बेडकरवाद और दलित राजनीतिश् पर भाषण देने के लिए जेएनयू जाना हुआ। समाज विज्ञान स्कूल में होने वाली यह गोष्ठी महज एक छोटे कमरे में सिमट गई थी। दलित और आदिवासी मुद्दों पर होने वाली इस गोष्ठी को किसी ऑडिटोरियम में करने की अनुमति नहीं प्राप्त हुई। यह सब कुछ उस जेएनयू में घटित हो रहा है जो लोकतंत्र का धड़कता दिल माना जाता है। जेएनयू परिसर अपनी संवादधर्मिता और लोकतांत्रिक मिजाज के लिए पूरे देश में वि यात है। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि दूरदराज के पिछड़े क्षेत्रों और हाशिए के समाजों से निकलकर आने वाले नौजवानों के लिए जेएनयू किसी सपने से कम नहीं होता। महत्वपूर्ण यह है कि इन आवाजों और प्रतिभाओं को पूरा अवसर यहां मिलता है। यह भी कहना जरूरी है कि जेएनयू की छात्र राजनीति केवल जेएनयू और छात्र हितों तक महदूद नहीं रहती बल्कि विदर्भ से लेकर बुंदेलखंड के किसानों के प्रश्नों पर भी चर्चा करती है। दलितोंए आदिवासियों के उत्पीड़न से लेकर संवैधानिक अधिकारों तक की बात जेएनयू की दीवारों और नारों में दिखाई सुनाई पड़ती है।

महिलाओं से लेकर एलजीबीटी के सवालों पर बड़ी मुखरता और संवेदनशीलता से जेएनयू में चर्चा होती है। अल्पसं यकों के मुद्दे हों या सा प्रदायिकता और आतंकवाद की समस्याए सभी मुद्दों पर खुले दिमाग से चर्चा होना जेएनयू में आम बात है। इन तमाम मुद्दों पर जेएनयू में बड़े पैमाने पर संवाद होता रहा है। वक्ता कोई भी हो जेएनयू के छात्रों के सवालों के जवाब देना अनिवार्य होता है। यह जेएनयू संस्कृति ही नहीं रवायत भी है। यह संस्कृति आज भी जेएनयू में मौजूद है। लेकिन संवाद के दायरे काफी सिकुड़ गए हैं। जो बहस मुबाहिसे बड़े हालोंए हॉस्टल के मेसों और खुले मंचों पर हुआ करती थींए अब कमरे की दीवारों और सत्ता प्रतिष्ठानों के प्रतिबंधों के दायरे में सिमटने लगी हैं। इसलिए भी यह चुनाव और उसके नतीजे महत्वपूर्ण हैं कि वामपंथी राजनीति पर अनवरत होते आक्रमणों के बावजूद एबीवीपी चुनाव जीतने में नाकामयाब रही।

पिछले दिनों यह भी देखा गया कि मु य गेट से लेकर परिसर में जगह.जगह जेएनयू भगवा झंडों से पटा हुआ था। यह सही है कि जेएनयू भी उसी भारत का हिस्सा है जिसे 22 जनवरी को भगवा झंडों से पाट दिया गया था। लेकिन यह बात भी उतनी ही सही है कि जेएनयू कभी भेड़चाल नहीं चलता।

यह परिदृश्य इसलिए भी आश्चर्यजनक था कि जो परिसर दक्षिणपंथी सांप्रदायिक राजनीति का दशकों से सबसे बड़ा वैचारिक और अकादमिक रूप से प्रतिरोध करता रहा हैए उसमें भगवा झंडों का साम्राज्य सामान्य बात नहीं थी! लेकिन चुनाव में जेएनयू के छात्रों ने एबीवीपी को हराकर यह ऐलान कर दिया है कि परिसर को हिंदुत्व की आक्रामक राजनीति और उसके मूल्य नापसंद हैं।

पिछले 10 साल की सत्ता और राजनीति ने देश को बदलने का प्रयास किया है। नागरिकों को प्रजा बनाने की मुहिम जारी है। सरकार का लोगों के लिए काम करना उसका कर्तव्य नहीं बल्कि मेहरबानी बन गई है। इसलिए चाहे कोरोना की वैक्सीन हो या 5 किलो राशन सबके लिए श्थैंक यू मोदी जीश् कहलाया जा रहा है। जनता को आज्ञापालक समाज में तब्दील किया जा रहा है। जो भी सरकार की नीतियों और कामकाज की आलोचना करता है उसे राष्ट्रद्रोही घोषित कर दिया जाता है। देशभक्ति और तिरंगे को लेकर विपक्ष और असहमतियों की आवाजों को दबाने वाले अब खुलेआम हिंदुत्व और भगवा के असली चोले में आ गए हैं। संविधान की भावना के उलट एक राष्ट्रए एक धर्मए एक विधान की मुनादी करने वाले नौजवानों को धर्म की अफ़ीम चटाकर नफ़रत की फैक्ट्री में तब्दील करना चाहते हैं। इसलिए शिक्षा का बजट कम किया जा रहा है और हिंदुत्व के मूल्यों और प्रतीकों पर अधिक व्यय क्या किया जा रहा है।

इन 10 सालों में जेएनयू में भी बहुत कुछ बदला है। अकादमिक स्तर से लेकर के छात्र राजनीति तक दक्षिणपंथी हिंदुत्व का प्रभाव बढ़ा है। हिंदुत्व का प्रभुत्व स्थापित करने के लिए वामपंथी धड़ों पर एकेडमिक हमलों से लेकर शारीरिक हमले तक किए गए। नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद पहली बार जेएनयू में 2016 की फ़रवरी में विवाद में आया। इसके पहले जेएनयू एक वाबगाह हुआ करता था। दूरदराज के गांव.कस्बों से लेकर महानगरों के उच्च मध्यवर्गीय नौजवान अपने सपने को पूरा करने के लिए जेएनयू आते थे लेकिन जाते थे एक वैचारिक ऊर्जा लेकर। फिर चाहे वह प्रोफेसर बने या पत्रकारए आईएएस बने या वैज्ञानिकय उसका दिल हमेशा लोगों के लिए धड़कता था।

असमानता और न्याय को देखकर उसके भीतर का लावा फूट पड़ता था। जेएनयू में पढ़ते.गढ़ते हुए नौजवान एक ऐसे भारत और दुनिया का सपना बुनते हैं जिसमें न्याय और गरिमापूर्ण जीवन हो। इसीलिए चाहे गोहना कांड हो या निर्भया केसए आदिवासियों की हत्या हो या किसानों की आत्महत्याय जेएनयू के छात्र. नौजवान दिल्ली की सड़कों पर क्रांति के गीत गाते हुए निकल पड़ते थे। प्रेम में पड़ा हुआ और किताबों में डूबा हुआ जेएनयू का नौजवान हमेशा मनुष्यता के ताप को महसूस करता रहा है। एक बार फिर जेएनयू के नौजवानों ने अपने चुनावी नतीजों में दिखा दिया है कि सत्ता प्रतिष्ठान और हिंदुत्व के आक्रमण के बावजूद वैचारिक मजबूती के साथ खड़ा हुआ है।

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/

विविध समाचार

रांची में 15वीं मंजिल से छात्रा ने लगाई छलांग

रांची ०६/०४ (संवाददाता): रांची के लालपुर चौक स्थित एसजी एक्जोटिक बिल्डिंग की 15वीं मंजिल से कूद कर 18 वर्षीय छात्रा विनिता ने गुरुवार को अपनी जान दे दी। परिजनों ने जहां इसे हत्या मान कर संदिग्ध व्यक्तियों के खिलाफ धारा 302 के तहत मामला दर्ज कराया है। पुलिस इसे आत्महत्या मान रही है।

इस बीच विनिता के बैग से एक सुसाइड नोट मिला है। इसमें लिखा है. श्हम क्या हैं ये मेरा भगवान जानता है। हमको अपने भगवान के पास जाना है। मेरा दिमाग मेरा साथ नहीं दे रहा है और चीजों को क्रिएट कर रहे हैं जो नहीं हैए वो भी। और हम कुछ भी बोल रहे हैं। म मी और पापा सॉरी। हम चाहते हैं पढ़ना, लेकिन मेरा दिमाग मेरा साथ नहीं दे रहा है। कोई अंदर से बोलता है कि मर जाओ।

विनिता के पिता विनोद महतो रि स के पैथोलॉजी डिपार्टमेंट में फेथ ग्रेड कर्मचारी हैं। उनका कहना है कि बेटी के साथ कुल गलत हुआ है। उसको किसी ने ऊपर से फेंक दिया। मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

लालपुर इंस्पेक्टर ने कहा कि सुसाइड नोट पढ़कर मामला खुदकुशी का लगता है। वहींए बगल की बिल्डिंग से एक व्यक्ति ने छात्रा को कूदते देखा हैए जिसका बयान दर्ज किया गया है। हालांकि परिजनों की शिकायत के आधार पर 302 के तहत मामला दर्ज कर लिया

गया है।

विनिता के बड़े भाई विनय का कहना है कि वह स्कॉलरशिप का फॉर्म भरने के लिए निकली थी। घर में सभी को यही पता था कि वह कॉलेज गई है। अचानक उसकी मौत की खबर से पूरा परिवार सदमे में है। वह संत जेवियर्स कॉलेज में सोशियोलॉजी से ठ। ऑनर्स की छात्रा थी। विनिता ने संत अन्ना स्कूल से 10वीं की परीक्षा 91: अंक के साथ उत्तीर्ण की थीए मैथ में 100 में 100 नंबर मिले थे। संत जेवियर्स कॉलेज से 12वीं साइंस की परीक्षा 87: अंक के साथ पास की थी। कॉलेज के रिकॉर्ड के अनुसार वह नियमित ऑनलाइन क्लास ले रही थी।

विनिता की मौत ने बिल्डिंग की सुरक्षा व्यवस्था की भी पोल खोल दी है। व्व्ट फुटेज में साफदिख रहा है कि जब वह बिल्डिंग की सीढ़ी की तरफबढ़ रही थी तब तैनात सुरक्षागार्ड सोया हुआ था। वह सीढ़ियों से चढ़कर 15वीं मंजिल तक गई थी।

ण्ण् निशांत गोयल ने मिले नोट्स को पूरी तरह से देखा और समझा। उनका कहना है कि ऐसी स्थिति को रीकरेंट सुसाइडल थॉट कहते हैं। सुसाइड नोट्स से यह लगता है कि उसके दिमाग में यह बात काफी पहले से आ रही थी। उसकी समस्या को परिवार वाले समझ नहीं सके। अगर समय पर इसकी पहचान कर ली गई होती तो उसे रोका जा सकता था।

पलामू में 3 लुटेरा गिरफ्तार, 13 दिन पहले सरेराह एजेंट को बनाया था निशाना

मेदिनीनगर ०६/०४ (संवाददाता): पलामू पुलिस ने 13 दिन पहले एजेंट से हुई लूटकांड की गुत्थी सुलझा ली है। गुरुवार को इस मामले में 3 लोगों को गिर तार किया गया है। अपराधियों के घर से घटना में प्रयुक्त बिना नंबर का चोरी का बाइक बरामद हुआ है। इनकी निशानदेही पर लुटा गया मोबाइल फोन और बैग रबदा के भलही जंगल से मिला है। घटना में शामिल दो अपराधी फार हैं।

चैनपुर थाना प्रभारी उदय गुप्ता ने बताया कि मामले में गिर तार अपराधी संजय चौधरी चढ़नवा का ही रहने वाला है। वह क पनी का ऋणधारक भी है। उसे एजेंट की पूरी गतिविधि की जानकारी थी। उसे पता था कि एजेंट गोपाल बड़ी रकम लेकर इलाके से जाता है।

इसके बाद संजय ने अपने साथियों के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया। इस लूटकांड को अंजाम देने के लिए अपराधियों ने गढ़वा से बाइक चोरी की थी। गिर तार अपराधियो में संजय के अलावे अनिल चौधरी और रवि कुमार पाल शामिल हैं। रवि मोटरसाइकिल चोरी के मामले में दो बार जेल जा चुका है।

पंडवा थानाक्षेत्र के टांड़पतरा का रहने वाला एजेंट गोपाल कुमार लोन के पैसा का रिकवरी कर चैनपुर के चढ़नवा से लौट रहा था। इसी दौरान मेदिनीनगर.गढ़वा मु य मार्ग पर स्थित यादव होटल के पास दो बाइक पर सवार चार अपराधियों ने ओवरटेक कर एजेंट को रोका और इसके बाद हथियार के बल पर 1ए57000 रुपया लूट लिया था। साथ ही एजेंट का मोबाइल फोन और उसका बैग भी लूट लिया था।

आज का राशिफल

मेष - आज के दिन धार्मिक और आध्यात्मिक प्रवृत्तियाँ विशेष रहेंगी। मन में द्विधा रहने से ठोस निर्णय नहीं ले सकेंगे। पैसे की लेन-देन या आर्थिक व्यवहार न करने की गणेशजी की सलाह है।

वृषभ - गणेशजी कहते हैं कि व्यापार में वृद्धि होने के साथ व्यापार के स बंध में सौदे लाभदायक साबित होंगे। आय के साधनों में वृद्धि होगी। बुजुर्गों तथा मित्र मंडल से लाभ और सुखद क्षणों का अनुभव मिलेगा।

मिथुन - शारीरिक और मानसिक सुख बने रहेंगे। नौकरी - व्यवसाय में आपके परिश्रम का मुआवजा मिलता हुआ प्रतीत होगा। अधिकारी वर्ग के प्रोत्साहन से आपका उत्साह बढ़ेगा। सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क - गणेशजी कहते हैं कि आज आपकी भाग्य वृद्धि के साथ आकस्मिक धन लाभ होगा। विदेश जाने के इच्छुक लोगों के प्रयास सफल होंगे। तथा विदेश से अच्छे समाचार आएँगे।

सिंह - आज आपको स्वास्थ्य का ध्यान रखना रहेगा। तबीयत के पीछे धन खर्च होने की संभावना है। निषेधात्मक विचार आपको गलत मार्ग पर न ले जाए, उसका ध्यान रखने के लिए गणेशजी कहते हैं।

कन्या - गणेशजी की कृपा से दांपत्यजीवन के सुखद क्षणों का अनुभव करेंगे। सामाजिक और सार्वजनिक क्षेत्र में आप याति और प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। मनोरंजन की प्रवृत्तियों में भाग लेंगे। वस्त्राभूषण और वाहन की खरीदी होगी।

तुला - गणेशजी कहते हैं कि सामान्य रूप से आज स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और बीमार व्यक्ति के भी तबीयत में सुधार होगा। घर में सुख- शांति के वातावरण में आप समय व्यतीत करेंगे। कार्य में सफलता और यश मिलने से उत्साह बढ़ेगा।

वृश्चिक - आज यात्रा प्रवास का आयोजन न करने की सलाह गणेशजी देते हैं। स्वास्थ्य के स बंध में चिंतित रहेंगे। संतानों के स बंध में समस्याएँ खड़ी होंगी। स्वाभिमान भंग न हो इसका ध्यान रखें।

धनु - गणेशजी कहते हैं कि आज आपको अत्यधिक संवेदनशीलता के कारण और घरेलू मामलों को लेकर मानसिक तनाव खड़े होने की संभावना है। मन में उठनेवाली द्विधाओं से आप मानसिक उचाट अनुभव करेंगे।

मकर - आज आप रणनीति में शत्रुओं को परास्त करेंगे। नए कार्यों के आरंभ के लिए तैयार रहें। सफलता मिलेगी। आप हरेक कार्य तन-मन से स्वस्थ रहकर करेंगे। व्यापार-धंधे में लाभ होगा।

कुंभ - गणेशजी बताते हैं कि मन में द्विधाएँ खड़ी होने से आप कोई ठोस निर्णय पर नहीं पहुँच सकेंगे। महत्त्वपूर्ण निर्णय न लें। वाणी पर संयम नहीं रहनेसे पारिवारिक सदस्यों के साथ मनमुटाव होने की संभावना है।

मीन - आनंद- उत्साह और तन-मन की प्रसन्नता आपके दिन में चेतना और स्फूर्ति का संचार करेंगे। नए कार्य हाथ में लेंगे तो उसमें सफलता मिलेगी। धार्मिक मांगलिक प्रसंगों में जाएँगे।

रांची सदर अस्पताल के ठेकेदार को आखिरी मौका

रांची ०६/०४ (संवाददाता): सदर अस्पताल में कंस्ट्रक्शन का काम कर रहे ठेकेदार को झारखंड हाईकोर्ट से आखिरी मौका मिला है। कोर्ट ने 30 अक्टूबर तक बाकी बचे सभी काम पूरा कर लेने का आदेश दिया है। चीफ जस्टिस डॉ रवि रंजन और जस्टिस सुजीत नारायण प्रसाद की अदालत ने सदर अस्पताल के लिए गठित कमेटी को बीच में अस्पताल में चल रहे निर्माण कार्य का निरीक्षण कर 21 अक्टूबर तक रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है।

गुरुवार को मामले की सुनवाई के दौरान संयुक्त कमेटी ने अपनी निरीक्षण रिपोर्ट कोर्ट को सौंपी। इसमें बताया गया कि अस्पताल का अभी 89 प्रतिशत काम ही पूरा हुआ है। ठेकेदार को 30 सितंबर तक सभी काम पूरा करने का निर्देश दिया गया था।

जबकि ठेकेदार की ओर से दावा किया गया कि अस्पताल का 94 प्रतिशत काम पूरा कर लिया गया है। इस पर अदालत ने नाराजगी जाहिर करते हुए ठेकेदार से कहा कि जब 30 सितंबर तक काम पूरा करने का समय दिया गया था तो समय पर काम पूरे क्यों नहीं किए गए। ठेकेदार ने कई तकनीकी कारणों का हवाला दिया और 30 अक्टूबर तक सभी काम पूरा करने का भरोसा दिलाया। उधर जनहित याचिका दायर करने वाले ज्योति शर्मा ने संयुक्त कमेटी और ठेकेदार की रिपोर्ट को गलत बताया। प्रार्थी का कहना था कि अभी भी अस्पताल में कई काम बाकी हैं। इसे पूरा करने में काफी वक्त लगेगा। इस पर अदालत ने सरकार और ठेकेदार को प्रार्थी की ओर से उठाए गए बिंदुओं पर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 21 अक्टूबर को होगी।

रांची में जमीन के लिए खूनी जंग,एक की मौके पर मौत

रांची ०६/०४ (संवाददाता): रांची में जमीन के लिए गुरुवार को खूनी जंग हुआ है। रांची के रातू थाना क्षेत्र के तिलता चौक पर जमीन विवाद को लेकर दो गुटों में मारपीट हुई।

इसमें इदरीश अंसारी नामक व्यक्ति की मौत हो गयी है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई है और त तीश शुरू कर दी है। रातू थाना प्रभारी ने बताया कि यह घटना अचानक हुई है। हत्या में कौन.कौन शामिल हैए यह पूछने पर उन्होंने बताया कि कुछ भी बताना जल्दबाजी होगी। जांच की जा रही है जल्द दोषियों को चिन्हित कर उन्हें गिर तार कर लिया जाएगा। रातू थाना प्रभारी ने बताया कि जमीन पर काम चल रहा था। अचानक सिमलिया इलाके से कुछ व्यक्ति के आने से विवाद शुरू हुआ है।

जानकारी के अनुसारए तिलता चौक के पास जीएम लैंड जमीन है। जिस पर दोनों गुट अपना हक जता रहे थे। इसी दौरान गुरुवार को एक गुट जमीन पर कब्जा करने आया था। जबकि वहां पर पहले से ही दूसरे गुट के लोग मौजूद थे।

इसी दौरान दोनों गुट के बीच झड़प हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि इदरीश की लाठी. डंडे से पिटाई कर दी । इस घटना के बाद आनन.फनन में मौके पर मौजूद लोगों इदरीश को हॉस्पिटल ले गये। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मनरेगा की सोशल ऑडिट फिर शुरू, प्रथम चरण में 500 पंचायतों की जांच

रांची ०६/०४ (संवाददाता): सरकार के निर्देश पर राज्य में मनरेगा योजनाओं की समवर्ती सामाजिक अंकेक्षण की प्रक्रिया शुक्रवार से फिर शुरू की गई है। ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री ने वित्तीय वर्ष 2021.22 में मनरेगा के अंतर्गत चालू योजनाओं का अंकेक्षण कराने का निर्देश दियाए जिसके तहत प्रथम चरण में कुल 500 पंचायतों का समवर्ती सामाजिक अंकेक्षण शुरू किया गया है। इसके लिए प्रत्येक पंचायत में 4 लोगों की टीम भेजी गई हैए जिसमें 2 सदस्य सोशल ऑडिट यूनिट के होंगे और 2 सदस्य संबंधित पंचायत के मनरेगा मजदूर मंच से संबधित मजदूर होंगे।

प्रत्येक पंचायत में समवर्ती सामाजिक अंकेक्षण के पूर्ण होने के पश्चात एक रिपोर्ट तैयार कर पंचायत को उसकी प्रति दी जाएगी। साथ ही रिपोर्ट के आधार पर अविलंब इसकी सूचना पंचायतए प्रखंड से प्राप्त कर जिला द्वारा सोशल ऑडिट यूनिट और मनरेगा प्रकोष्ठ को भेजा जाना अनिवार्य किया गया है।सोशल ऑडिट में प्रथम चरण में सर्वप्रथम उन पंचायतों को लिया गया हैए जहां अधिकतम मानव दिवस सृजित हुए हैं। यह प्रक्रिया ग्रामीण विकास मंत्रालयए भारत सरकार के दिशा.निर्देश और मानदंडों के अनुरूप है। इससे आगे के सामाजिक अंकेक्षण की पूरी तैयारी हो पायेगी।

खाद्य आपूर्ति विभाग ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के लिए विशिष्ट जनजाति खाद्यान्न डाकिया योजना का सामाजिक अंकेक्षण कराने का निर्णय लिया है। 22 अक्टूबर से सोशल ऑडिट शुरू हो जाएगा। 20 नवंबर तक क्षेत्र स्तर पर सत्यापन का काम पूरा कर लिया जाएगा। वहींए 22 दिसंबर तक सभी स्तर की सुनवाई का काम पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद सोशल ऑडिट रिपोर्ट जारी होगीए जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई विभाग की ओर से की जाएगी।

शुक्रवार को डॉ रामेश्वर उरांव ने वर्चुअल बैठक में राज्य के सभी जिला आपूर्ति पदाधिकारी और सोशल ऑडिट यूनिट के जिला अध्यक्षों के साथ डाकिया योजना को लेकर बात की। कहा कि महामारी के दौर में क्षेत्र भ्रमण के दौरान विशिष्ट जनजाति के लोगों तक खाद्यान्न पहुंचाने में आ रही कठिनाइयों को देखा और समझा है। बताया कि सोशल ऑडिट के दौरान लोग 73000 विशिष्ट जनजाति परिवारों के आवास पर जाएंगे। उन्हें हर माह 35 किलो अनाज मिल रहा है या नहींए इसकी जांच करेंगे।

Printed, Published, Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Mainroad, Chhend colony, Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email: kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/

ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार

राउरकेला, रविवार 07 अप्रैल 2024

कुआरमुंडा ब्लॉक के उसरा कॉलोनी की 15 महिलाओं ने आरएसपी में सिलाई प्रशिक्षण का पहला चरण सफलतापूर्वक पूरा किया

राउरकेला ०६/०४ (संवाददाता): आर्थिक सशक्तीकरण के लिए सीएसआर पहल की सिलाई पर प्रशिक्षण सह उत्पादन केंद्र का पहला चरण हाल ही में इंस्टीट्यूट फॉर पेरिफेरल डेवलपमेंट में संपन्न हुआ। कार्यपालक निदेशक ;कार्मिक एवं प्रशासन सह अतिरिक्त प्रभार परियोजना श्री तरूण मिश्र समापन समारोह के मु य अतिथि थे और उन्होंने कुआरमुंडा क्षेत्र की कुल 15 महिला प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण पूरा होने का प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर मु यथ महा प्रबंधक ;टीएण् एवं सीएसआर श्री पीण्के स्वाकई, महा प्रबंधक ;सीएसआर सुश्री मुनमुन मित्रा, उषा सिलाई स्कूल, ओडिशा के प्रमुखए श्री बिजयानंद दास और आरएसपी और संबंधित एजेंसियों के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए श्री मिश्रा ने परिधीय गांवों की महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में किए गए सीएसआर प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सभी से अधिकतम लाभ प्राप्त करने के लिए अवसर का सर्वोत्तम उपयोग करने का आग्रह किया। इस अवसर पर प्रशिक्षार्थियों द्वारा प्रशिक्षण कक्षाओं के दौरान बनाए गए सर्वोत्तम उत्पादों जैसे पुरुषोंए महिलाओंए बच्चों के लिए कपड़े के साथ.साथ किचन एप्रॉनए कढ़ाई और एप्लिक वर्क आदि को भी प्रदर्शित किया गया। सिलाई सत्र का संचालन मास्टर ट्रेनर ;उषा सिलाई स्कूलद्धए सुश्री प्रभाती खुंटिया द्वारा किया गया। प्रारंभ में सुश्री मित्रा ने उद्घाटन भाषण दिया। सहायक महा प्रबंधक ;सीएसआर श्री टीण्बीण्टोप्पो ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापित कियाए जबकि उप प्रबंधक ;सीएसआर सुश्री ऋच्चा सुधिराम ने समारोह का संचालन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य सुविधा से वंचित महिलाओं के सिलाई कौशल को विकसित करना और पार्श्वां चल गांव स्थल पर एक प्रशिक्षण सह उत्पादन केंद्र ;टीसीपीसी स्थापित करना है। प्रथम चरण के पूरा होने के बाद प्रत्येक प्रशिक्षार्थी को एक व्यावसायिक सिलाई मशीन प्रदान की जाएगी।

भीषण गर्मी के कारण बीमार पड़े आठ लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया

०६/०४ (संवाददाता): ओडिशा में भीषण गर्मी के कारण बीमार पड़े आठ लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के निदेशक निरंजन मिश्रा ने कहा कि शुक्रवार शाम से शनिवार दोपहर तक अंगुल जिले में धूप और गर्मी के अधिक संपर्क में रहने के कारण पांच लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया गयाए जबकि खुर्दए मयूरभंज और सुंदरगढ़ जिलों में ऐसा एक.एक मामला सामने आया।

हालांकिए अभी तक गर्मी से किसी की मौत होने के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि राज्य के अस्पताल अधिकारियों को भीषण गर्मी के शिकारमरीजों के इलाज के लिए जरूरी व्यवस्था करने का निर्देश दिया है।उन्होंने कहा भीषण गर्मी के कारण बीमार हुए लोगों के इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों ;पीएचसीद्धए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों ;सीएचसीद्ध और जिला मु यालय अस्पतालों ;डीएचएचद्ध में विशेष बिस्तर व पर्याप्त दवाएंतैयार रखी गई हैं।

संबलपुर से आठवीं बार भाजपा के उमीदवार बने जयनारायण, समर्थकों ने मिठाई बांटकर मनाया जश्न

संबलपुर ०६/०४ (संवाददाता): भाजपा के ओडिशा विधानसभा उ मीदवारों की पहली सूची मंगलवार के दिन जारी होने के बाद कहीं खुशी तो कहीं गम का माहौल देखा जा रहा है। दलीय टिकट पाने की उ मीद में अपना.अपना शक्ति प्रदर्शन करने वाले नेताओं को सूची में अपना नाम नहीं होने से निराशा देखी जा रही है।

इधरए संबलपुर विधानसभा सीट के लिए भाजपा ने एक बार फिर से जयनारायण मिश्र पर विश्वास जताते हुए दलीय उ मीदवार बनाने से उनके समर्थकों में खुशी देखी जा रही हैए जबकि अन्य आशायी उ मीदवार निराश हैं।

छात्र जीवन से भाजपा में शामिल जयनारायण मिश्र को पहली बार वर्ष 1990 में दलीय उ मीदवार बनाया गया थाए जिसमें उन्हें कांग्रेस पार्टी के दुर्गाशंकर पटनायक से हार का सामना करना पड़ा था।

वर्ष 1995 के चुनाव में भी कांग्रेस पार्टी के दुर्गाशंकर से जयनारायण को दूसरी बार हार का सामना करना पड़ाए लेकिन वर्ष 2000 के बाद से अब तक भाजपा के जयनारायण का पलड़ा भारी है।

जयनारायण वर्ष 2000 से लेकर 2009 तक लगातार तीन बार विधायक चुने जाकर हैट्रिक बनाया और बीजद. भाजपा गठबंधन सरकार में मंत्री और सदन में मु य सचेतक रहे।

वर्ष 2014 के चुनाव में जयनारायण को बीजद की डॉण् रासेश्वरी पाणिग्राही से हार का सामना करना पड़ाए लेकिन वर्ष 2019 के चुनाव में उन्होंने बीजद की डॉण्पाणिग्राही को परास्त कर फिर से विधायक बने।

हाल के कुछ वर्षों में विधायक जयनारायण मिश्र अपनी बीमारी का इलाज कराने संबलपुर से बाहर रहे और इसी दौरान कुछ नेताओं ने अपनी शक्ति बढ़ाने लगे।

एक महीने पहले वापस संबलपुर लौटे जयनारायण इसकी परवाह किए बगैर अपना काम करते रहे और उनकी लोकप्रियता और योग्यता को देखते हुए भाजपा ने आठवीं बार उन्हें दलीय उ मीदवार बनाया है।अब यह देखना बाकी रहा कि जयनारायण के खिलाफ बीजद और कांग्रेस किसे चुनाव मैदान में उतरती है। इसी के बाद साफ हो सकेगा कि चार बार विधायक चुने गए जयनारायण पांचवीं बार क्या करिश्मा दिखाते हैं।

ओडिशा विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के उमीदवारों का एलान

भुवनेश्वर ०६/०४ (संवाददाता): भारतीय जनता पार्टी ने ओडिशा में होने जा रहे विधानसभा चुनाव ;व्कपेीं ेमउइसल समबजपवदे 2024 को लेकर अपने उ मीदवारों की सूची जारी कर दी है। भाजपा ने प्रदेश के मु यमंत्री नवीन पटनायक के सामने शिशिर मिश्रा को चुनावी मैदान में उतारा है। बता दें कि नवीन पटनायक हिंजिली विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने जा रहे हैं। वहींए राजधानी भुवनेश्वर में भुवनेश्वर मध्य विधानसभा सीट से भाजपा ने जगन्नाथ प्रधान को अपना उ मीदवार बनाया है। बता दें कि इससे पहले भाजपा ने लोकसभा चुनाव ;स्वा ैईीं समबजपवद 2024द्ध के लिए तीन सीटों पर अपने प्रत्याशियों का एलान किया था। इनमें जाजपुर सीट पर डॉण् रबिन्द्र नारायण बेहराए कंधमाल लोकसभा सीट पर सुकांत कुमार पाणिग्रही और कटक लोकसभा सीट पर भर्तृहरि महताब को टिकट दिया था।

इधरए नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली बीजद ने भाजपा से पहले 9 लोकसभा और 72 विधानसभा सीटों पर अपने उ मीदवारों का एलान किया था। हालांकिए इसके बाद पार्टी के करीब चार नेताओं ने चार दिन के भीतर बीजद को अलविदा भी कह दिया था।

15 साल की लड़की छह महीने की गर्भवती, ओडिशा में मिली नेपाल से अपहरण कर लाई गई नाबालिग

भुवनेश्वर ०६/०४ (संवाददाता): खुर्दा.नयागढ़ जिले की सीमा पर चांदपुर थाना क्षेत्र से नेपाल की एक 15 वर्षीय लड़की को बचाया गया। लड़की वर्तमान समय में छह माह की गर्भवती है। उसे नयागढ़ शेल्टर होम में रखा गया है। चांदपुर पुलिस ने नाबालिग लड़की के अपहरण के मामले में नेपाल के युवक अंबरदीप भुजेल ;48द्ध को गिर तार किया है।

जानकारी के मुताबिकए आरोपी अंबरदीप पेशे से रसोइया है। कोविड से पहले वह भुवनेश्वर में एक होटल में रहकर काम करता था। वह चाइनीज आइटम बनाता था। आरोपी पहले से शादीशुदा है और उसके दो बच्चे भी हैं।

आरोपी अंबरदीप कोविड के दौरान देश में लॉकडाउन और शटडाउन के दौरान अपने मूल देश नेपाल लौट गया था। वहां पर इसने राशन की दुकान खोली। आरोपी अंबरदीप का दुकान के लेन.देन के दौरान अपने दोस्त की बेटी के साथ संबंध बन गया।

प्रेम शारीरिक संबंधों की ओर बढ़ा। इस दौरान लड़की चार माह की गर्भवती हो गई।

घटना के सामने आने के बाद आरोपी अंबरदीप दो महीने पहले नाबालिग लड़की को लेकर ओडिशा भाग आया था। वह खुर्दा जिले के टांगी इलाके में किराए के मकान में रहता था।

वह खुर्दा.नयागढ़ जिले की सीमा पर चांदपुर इलाके के एक होटल में कुक के रूप में काम करता था। लड़की के परिवार ने नेपाल में नाबालिग लड़की के अपहरण की शिकायत दर्ज कराई थी।आरोपी अंबरदीप के परिवार के सदस्यों को उसके मोबाइल ट्रैकिंग से पता चला कि वह ओडिशा में है।

राष्ट्रीय बाल अधिकार एवं संरक्षण आयोग के निर्देश पर मिष मुक्ति फाउंडेशन के निदेशक बीरेंद्र कुमार सिंहए खुर्दा एसपी कार्यालय की प्रभारी अधिकारी ममता पतिए खुर्दा जिला बाल संरक्षण इकाई के कानूनी परिवीक्षा अधिकारी जगदीश करए सलाहकार मानस्विनी नायक सहित अन्य ने बुधवार को चांदपुर इलाके में छापामारी की।

आरोपी को अपहरण के मामले में गिर तार कर लिया गया है और नाबालिग लड़की को जिला बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया गया है। खुर्दा की जिला बाल सुरक्षा अधिकारी बनिश्री पटनायक ने कहा है कि चूंकि लड़की के माता.पिता हैंए इसलिए उसे दूतावास के माध्यम से नेपाल स्थित उसके घर वापस भेज दिया जाएगा।

ओडिशा में गर्मी को लेकर जारी अलट, दोपहर में बाहर न निकलने की सलाह

भुवनेश्वर ०६/०४ (संवाददाता): ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर के साथ पूरे प्रदेश में ग्रीष्म प्रवाह का दौर शुरू हो गया है। अप्रैल महीने के प्रारंभ में ही सूर्यदेव के प्रकोप ने इस वर्ष पड़ने वाली गर्मी की झलक पेश कर दी है।अधिकांश शहरों में तापमान 40 डिसे को पार या फिर उसके आस.पास पहुंच गया है।

इतना ही नहीं मौसम विभाग ने कहा है कि यह स्थिति आगामी 6 अप्रैल तक जारी रहेगी और दिन के समय असहनीय गर्मी पड़ने के साथ ही रात का तापमान भी सामान्य से 6 डिसे अधिक रहेगा। ऐसे में लोगों से सावधानी बरतने एवं पर्याप्त मात्रा में पानी पीनेए जरूरत ना हो तो दोपहर के समय घर बाहर ना निकलने की सलाह दी गई है।

मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिकए आगामी 6 अप्रैल तक तटीय ओडिशा के साथ अंदरूनी ओडिशा में तापमान सामान्य से 3 से 4 डिसे अधिक रहेगा। मौसम विभाग ने कहा है कि वर्तमान समय में राज्य में आसमान साफ रहेगा और तेज धूप के साथ तापमान में बढ़ोत्तरी होगी।

इसका प्रभाव केवल दिन में ही नहीं रात में देखने को मिलेगा।आज से रात में तापमान सामान्य से 6 डिसे तक अधिक रहेगा। परिणाम स्वरूप धूप एवं उमश भरी गर्मी से लोगों की मुश्किलें बढ़ेंगी। इसके लिए बौद्धए सोनपुरए बलांगीरए कालाहांडीए कंधमाल एवं मालकानगिरी जिले में पीली चेतावनी जारी की गई है।

मौसम विभाग ने कहा है कि 4 से 6 अप्रैल तक राज्य में भीषण ग्रीष्म प्रवाह जारी रहेगा। ऐसे में भद्रकए जाजपुरए कटकए नयागड़ए बौद्धए सोनपुर एवं कंधमाल जिले में पीली चेतावनी जारी की गई है। 5 अप्रैल को सर्वाधिक ग्रीष्म प्रवाह को लेकर सतर्कता जारी की गई है। भद्रकए जाजपुर, कटक, खुर्दा, नयागड़ए बौद्ध, कंधमाल, सोनपुर जिले में भीषण गर्मी पड़ने का अनुमान मौसम विभाग ने लगाया है।

भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूल एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों को एक बेलहियां कर दिया गया है। सुबह 7 बजे से 11रू30 बजे तक स्कूलों को चलाने के निर्देश दिए गए हैं।

गर्मी एवं धूप को ध्यान में रखते हुए आंगनबाड़ी केन्द्र में शुद्ध पेयजल के साथ पर्याप्त मात्रा में ओआरएस रखने के लिए निर्देश जारी किया गया है। इस समय के दौरान जिले में मौसम की स्थिति को देखते हुए विद्यालय खोलना या बंद रखना है उसका निर्णय जिलाधीश ले सकेंगे।

राज्य में लगातार पड़ रही गर्मी को देखते हुए राज्य सराकर ने कुछ दिशा.निर्देश जारी किया है। सरकार ने विभिन्न विभागों को समन्वय बनाकर काम करने एवं प्रचंड ग्रीष्म प्रवाह का प्रतिकार एवं मुकाबला करने को निर्देश दिया है। विशेष चिकित्सा आयुक्त की तरफसे सभी जरूरी कदम उठाने को निर्देश जारी किया गया है।

स्टील मेल्टिंग शॉप-1 द्वारा उत्पादकता बढ़ाने के लिए उन्नत सुविधाएं प्रारंभ

राउरकेला ०६/०४ (संवाददाता): राउरकेला स्टील प्लांट ;आरएसपी की स्टील मेल्टिंग शॉप.1 ;एसएमएस-1 की नवोन्वेषी टीम ने उत्पादकता बढ़ाने और गुणवत्ता सुधार के लिए कंटीन्यूअस कास्टिंग मशीन.1 ;सीसीएम-1 में दो सरल सुविधाओं को सफलतापूर्वक चालू किया है। कर्मीसमूह ने हाल ही में एमण्ओण्टीण् के लिए एक नई मोल्ड ऑसीलेशन टेबल ;एमओटी और एक इन.हाउस विकसित ड्राइव सिमुलेशन टेस्ट बेंच स्थापित और चालू की हैए जो उनके तकनीकी कौशलए विशेषज्ञता और उत्कृष्टता को प्रदर्शित करती है। नव स्थापित एमण्ओण्टीण् का एकीकरणए मेसर्स एसएमएस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रदान किया गया जो सीसीएम-1 के लिए बेहतर परिशुद्धता, नियंत्रण और समग्र प्रदर्शन को वादा करता है। यह वृद्धि डाउनटाइम को कम करते हुए कास्ट उत्पादों की गुणवत्ता को अनुकूलित करने के लिए निर्धारित है।विभागीय टीम ने आंतरिक संसाधनों का उपयोग करके एमओटी के लिए एक ड्राइव सिमुलेशन टेस्ट बेंच को तैयार स्थापित और सक्रिय किया है। स्ट्रक्चरल एंड फैब्रिकेशन शॉप और सिविल इंजीनियरिंग सर्विसेज ने सीसीएम-1 ;मेकानिकलद्ध द्वारा विकसित चित्रों और डिजाइनों के आधार पर सुविधा के निर्माण और स्थापना में आवश्यक सहायता प्रदान की। इन सुविधाओं के लिए डिज़ाइन-टू-कमीशनिंग प्रक्रिया का नेतृत्व सीसीएम-1 ;एम एंड ई द्वारा महा प्रबंधक ;मेकानिकल श्री एवी प्रदीप, सहायक महा प्रबंधक ;मेकानिकल श्री एसएन ण्राउत, सहायक महा प्रबंधक ;इलैक्ट्रिकल श्री टीण्पी गरेवाल, वरिष्ठउ प्रबंधक ;मेकानिकल श्री जेके महापात्र, प्रबंधक ;इलैक्ट्रिकल श्री संदीप कुमार लाकड़ा और एसएमएस-1 विभाग के उप प्रबंधक ;इलैक्ट्रिकल श्री बीराबर बेहेरा के मार्गदर्शन में किया गया था।

हाल ही में एक समारोह में मु य महा प्रबंधक ;इस्पोत श्री आरण्केण्पात्र द्वारा मु ये महा प्रबंधक ;एसएमएस-1 श्री पिनाकी चौधरी, मु य् महा प्रबंधक ;बीई श्री पीण्के साहू, मु या महा प्रबंधक ;डिजाइन और शॉप्स श्री रवि रंजनए अनुभाग प्रमुख और संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारी की उपस्थिति में सुविधाओं का उद्घाटन किया गया।

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/